राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 224 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 11 जून 2025 www.samaydarshan.in

न्यूज Window

कक्षा निर्माण घोटाले में मनीष सिसोदिया को दूसरा समन भेजा गया

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक बार फिर पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को कक्षा निर्माण घोटाले को लेकर तलब किया है।

इससे पहले, सिसोदिया से सोमवार 9 जून को एसीबी कार्यालय में पूछताछ होनी थी, लेकिन वे निजी कारणों से अधिकारियों के सामने उपस्थित नहीं हो सके। हालांकि, घोटाले में आरोपी पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को 6 जून तलब किया गया था। उनसे पूछताछ हो चुकी है।

ब्यूरो ने कथित 2,000 करोड़ रुपये के घोटाले के लिए जैन को 6 जून को और सिसोदिया को 9 जून को दिल्ली कार्यालय में बुलाया था। अब सिसोदिया 2 से 3 दिन में पूछताछ के लिए जा सकते हैं।

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा अभियोजन की मंजूरी दिए जाने के बाद 30 अप्रैल को एसीबी ने दोनों नेताओं के खिलाफ स्नढ्ढक्रदर्ज की थी। बताया जा रहा है कि सिसोदिया इस पूछताछ में जा सकते हैं।

दिल्ली की पूर्ववर्ती आप सरकार में सिसोदिया शिक्षा और वित्त विभाग संभाल रहे थे, जबकि जैन के पास स्वास्थ्य, लोक निर्माण और शहरी विकास विभाग की जिम्मेदारी थी। स्नढ्ढक्र में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की मुख्य तकनीकी परीक्षक रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि आप के कार्यकाल में 12,748 कक्षाओं और इमारतों के निर्माण में गंभीर वित्तीय विसंगति पाई गई है। आरोप है कि निर्माण में अत्यधिक पैसा खर्च किया गया, जबकि लागत कम थी।

तकनीक दोधारी तलवार, न्यायिक कामकाज लिए हो इस्तेमाल, फैसले लेने के लिए नहीं-चीफ जस्टिस गवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा कि तकनीक एक दोधारी तलवार की तरह है। इसका उपयोग न्यायिक कामकाज को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए, न कि फैसले लेने की प्रक्रिया की जगह लेने के लिए। सीजेआई सोमवार को कैंब्रिज विश्वविद्यालय में 'न्याय तक पहुंच में तकनीक की भूमिका' विषय पर आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े और विविध देश में न्याय तक पहुंच को आसान बनाने में तकनीकी की बहुत बड़ी भूमिका हो सकता है। भारतीय न्यायपालिका ने तेजी से तकनीक को अपनाया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को न्याय मिल सके।

उन्होंने कहा, हमें यह भी मानना होगा कि तकनीक एक दोधारी तलवार की तरह काम कर सकती है, जो असमानता को और बढ़ा सकती है। एक बड़ी चिंता 'डिजिटल डिवाइड' यानी तकनीकी असमानता है, जहां इंटरनेट, उपकरणों और डिजिटल ज्ञान की समान पहुंच न होने के कारण वे लोग पीछे छूट सकते हैं जो पहले से ही न्याय तक पहुंचने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। अगर तकनीक को सच में न्याय के लिए इस्तेमाल करना है, तो उसकी योजना बनाते समय समानता और समावेशन को आधार बनाना होगा। हालांकि, जस्टिस गवई ने कहा कि नीतिगत दखल के बिना न्याय प्रदान करने की प्रणाली में कोई क्रांति नहीं लाई जा सकती। उन्होंने कहा, शासन का ऐसा ढांचा विकसित किया जाना चाहिए, जो मानवीय निगरानी, एल्गोरिदम संबंधी पारदर्शिता और तकनीक आधारित मध्यस्थ फैसलों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करे।

गोवा के स्वास्थ्य मंत्री से सार्वजनिक माफी की मांग, डॉक्टरों ने हड़ताल की धमकी दी

पणजी (एजेंसी)। गोवा के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) रुद्रेश कुट्टीकर को फटकार लगाने का मामला तूल पकड़ रहा है। गोवा एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स के डॉक्टरों का कहना है कि जिस आपातकालीन विभाग में राणे ने सीएमओ को फटकार लगाई है, उसी विभाग में उनको डॉक्टर से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। डॉक्टरों ने धमकी दी है कि अगर राणे माफी नहीं मांगते हैं, तो वे सभी हड़ताल पर चले जाएंगे। शनिवार 7 जून को गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल सीएमओ के डॉ. रुद्रेश कुट्टीकर ड्यूटी पर थे, तभी स्वास्थ्य मंत्री राणे ने अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान एक मरीज को इलाज से मना करने पर मंत्री ने सार्वजनिक तौर पर सीएमओ को फटकार लगाते हुए बेइज्जत किया और उनको निलंबित कर दिया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर आया था। मामले में डॉक्टर्स संगठन और कांग्रेस ने मंत्री के इस्तीफे की मांग की थी। मामला विवाद में आने के बाद सीएमओ का निलंबन रद्द कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुंजे को दी श्रद्धांजलि

पार्थिव शरीर को कंधा देकर दी अंतिम विदाई

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण आईईडी विस्फोट में शहीद हुए एएसपी आकाश राव गिरपुंजे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें अंतिम विदाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल परिसर पहुंचकर शहीद के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा शहीद के पार्थिव शरीर को कंधा देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद श्री गिरपुंजे के शोक-संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट कीं और उन्हें इस कठिन समय में ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे ने अपने कर्तव्य के प्रति अदम्य साहस, निष्ठा और समर्पण का परिचय देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमें उन पर गर्व है। सरकार इस दुःख की घड़ी में उनके परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लगातार हो रही सुरक्षाबलों की सफल कार्रवाइयों से नक्सली बौखलाए हुए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहीद श्री गिरपुंजे की वीरता और देशभक्ति को सदैव याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक पुरन्दर मिश्रा, अपर मुख्य सचिव गृह विभाग मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, शहीद के परिजन, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

राजा रघुवंशी मर्डर केस

72 घंटे की रिमांड पर सोनम, मेघालय पुलिस के सामने खोलेगी राज

शिलांग (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस की आरोपी सोनम रघुवंशी को मेघालय पुलिस पटना लेकर पहुंची है. ताजा जानकारी के मुताबिक पुलिस को 72 घंटे की रिमांड मिली है. पता चला है कि सोनम रघुवंशी को पटना के रास्ते से शिलांग ले जाया जा रहा है. फिलहाल सोनम को पुलिस की जिस गाड़ी से मेघालय ले जाया जा रहा है वह पटना पहुंच चुकी है.

इससे पहले सोमवार को सोनम रघुवंशी ने खुद अपने परिवार को गाजीपुर के एक ढाबे से फोन किया और अपनी लोकेशन बताई. इसके बाद हड़कंप मच गया और तुरंत उसे हिरासत में लिया गया. उसके बाद उसकी जांच की गई और फिर देर शाम उसे गिरफ्तार कर लिया गया. मेघालय पुलिस ने बताया कि सोनम ने ही अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या करवाई है. इसमें चार और आरोपी भी शामिल हैं, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है. बता दें, सोनम रघुवंशी को मेघालय पुलिस ने 72 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर रखा है. देर रात पुलिस ने उसे गाजीपुर की जिला जेल में पेश किया और रिमांड की मांग की. कोर्ट ने पुलिस की मांग मंजूर कर ली. कोर्ट में पुलिस ने बताया कि इस केस में सोनम का किरदार बेहद महत्वपूर्ण है. उससे पूछताछ करना भी जरूरी है. वहीं, मेघालय पुलिस ने कोर्ट को यह भी जानकारी दी कि सोनम ने अपने प्रेमी राज कुशवाह के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम देने का प्लान बनाया.

अरब सागर में सिंगापुर मालवाहक जहाज हादसा, 4 लापता क्रू मेंबर का अब तक नहीं चला पता

मंगलुरु। अरब सागर में सिंगापुर के मालवाहक जहाज में आग लगने की घटना के बाद लापता हुए 4 क्रू मेंबर का पता अब तक नहीं चल सका है. वहीं, भारतीय नौसेना ने 22 में से 18 क्रू मेंबर्स को बचा लिया है. बचाए गए कर्मियों में से पांच घायल हो गए और दो की हालत गंभीर है. बता दें कि केरल के कोझिकोड से 72 नॉटिकल मील दूर एक मालवाहक जहाज में अचानक भीषण आग लगने की घटना सोमवार को सामने आई थी. बताया जाता है कि जहाज पर रखे कंटेनरों में विस्फोट हो गया था. जहाज कोलंबो से महाराष्ट्र के न्हावा शेवी पोर्ट की ओर जा रहा था.

उत्तर भारत के कई राज्यों में आसमान से बरसेगी आग, मौसम विभाग का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने उत्तर भारत के कई राज्यों में आने वाले चार से पांच दिनों के दौरान हीटवेव को लेकर अलर्ट किया है. जम्मू-कश्मीर से लेकर पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान है.

वहीं, मौसम विभाग के अनुसार देश के दक्षिणी राज्यों में आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक,केरल, तमिल नाडु, तेलंगाना, लक्षद्वीप और पुदुचेरी में मानसून सक्रिय रहने की संभावना है. इसके चलते 12 से लेकर 15 जून के बीच कर्नाटक में भीषण बारिश के आसार हैं. कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर 13 से 15 जून के दौरान अत्यधिक भारी वर्षा होने का अनुमान है.

पश्चिमी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भीषण गर्मी की स्थिति के साथ कई स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही. जम्मू- कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति बनी रही. मराठवाड़ा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई. मिजोरम, गोवा, तमिलनाडु, केरल, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तेलंगाना, रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, मराठवाड़ा, जम्मू-कश्मीर, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर बारिश के साथ तेज हवा चली.

केरल, माहे, कर्नाटक, लक्षद्वीप में अगले दो से तीन दिनों के दौरान अधिकांश जगहों पर हल्की बारिश होने का अनुमान है. तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, रायलसीमा में आज से अगले तीन दिनों के दौरान कई जगहों पर सामान्य बारिश के होने की उम्मीद है. इसी के साथ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आज से 12 जून के दौरान विभिन्न स्थानों पर बारिश के साथ आंधी की संभावना है.

मराठवाड़ा में छिटपुट स्थानों पर आज से अगले दो तीन दिनों के दौरान गरज के साथ हल्की बारिश, बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवा चलने की संभावना. मध्य महाराष्ट्र में आज से 14 जून के दौरान बारिश के साथ वज्रपात की संभावना है.

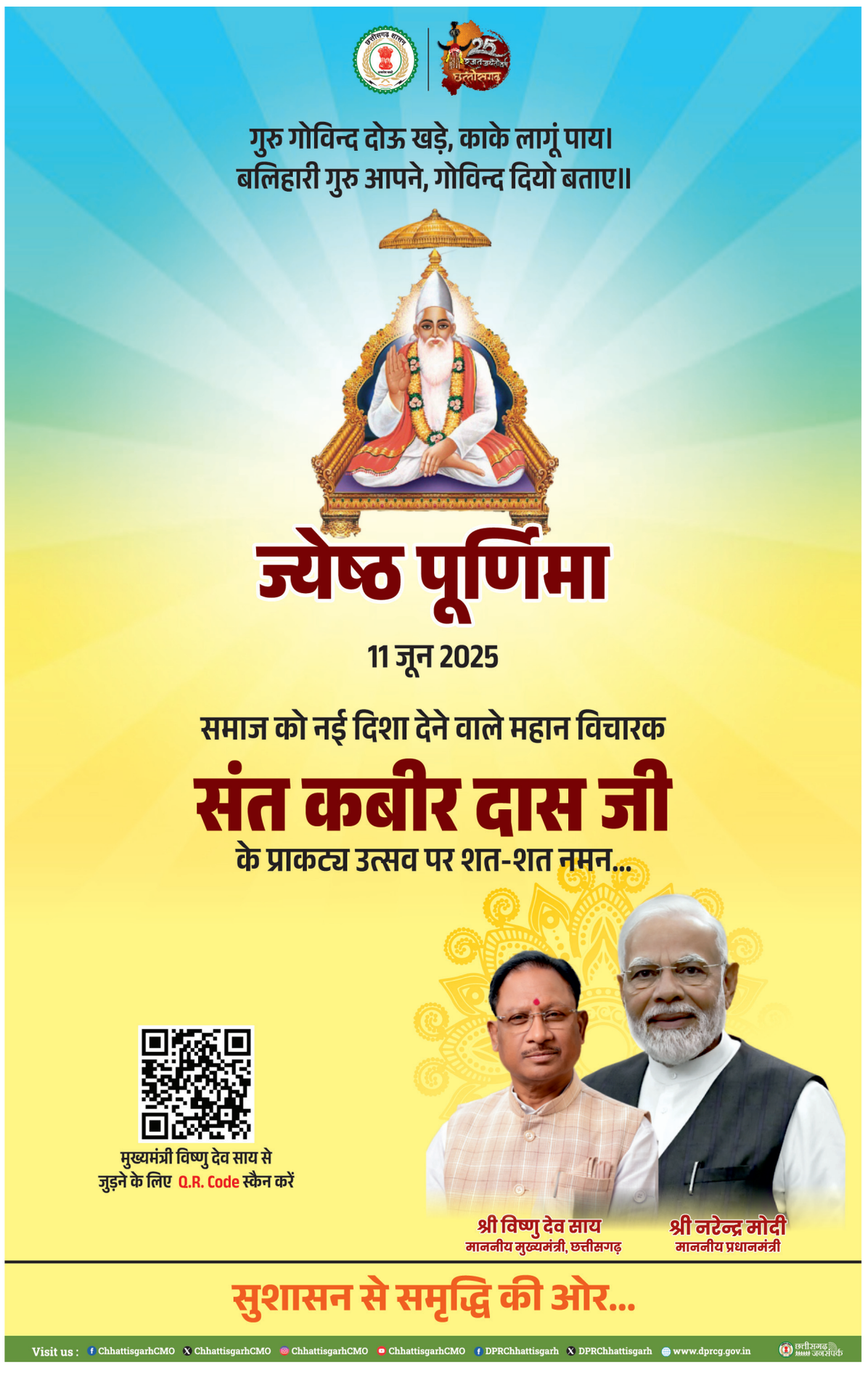

तेज बहाव में डूबते चले गए सभी युवक

टोंक में बनास नदी में बड़ा हादसा, नहाने गए 11 युवक डूबे, आठ की मौत

टोंक(एजेंसी)। राजस्थान के टोंक में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब जयपुर से आए 11 युवक बनास नदी में नहाने उतरे और तेज बहाव में बह गए। सभी युवक पिकनिक मनाने के लिए दोपहर करीब 12 बजे नदी के पुराने पुल के पास पहुंचे थे।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सभी युवक एक साथ नदी में नहाने उतरे, लेकिन कुछ देर बाद तेज बहाव के कारण एक-एक कर गहराई में चले गए और डूबने लगे। स्थानीय ग्रामीणों ने शोर मचाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही टोंक पुलिस, प्रशासन और स्नढ्ढक्रस्न की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। अब तक 8 युवकों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि बाकी 3 की तलाश जारी है। सभी को सआदत अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने 8 युवकों को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि नदी का यह हिस्सा गहरा है और यहां कोई चेतावनी बोर्ड या सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। यह पुराना पुल क्षेत्र है, जहां अक्सर लोग बिना जानकारी के नहाने चले जाते हैं।

घटना की खबर मिलते ही सआदत अस्पताल में परिजनों और स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। चीख-पुकार और गमगीन माहौल के बीच मृतकों की पहचान की जा रही है। सभी युवक जयपुर के निवासी बताए जा रहे हैं। एसपी विकास सांगवान ने हादसे को बेहद दुखद बताया और लोगों से अपील की कि वे नदी में नहाने के दौरान पूरी सतर्कता बरतें और बिना जानकारी के गहरे पानी में न उतरें। रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है और अतिरिक्त गोताखोरों को बुलाया गया है। इस हादसे के बाद पूरे टोंक जिले में शोक की लहर है। प्रशासन ने मामले की गंभीरता से जांच और राहत कार्य तेज कर दिया है। पुलिस मृतकों के परिजनों से संपर्क कर रही है और लापता युवकों की तलाश में लगी है।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर में चढ़ गई, बड़ा हादसा टला

बलराम यादव

पाटन। नगर पंचायत पाटन के अटारी वार्ड में रानी तराई मार्ग पर लगातार सड़क दुर्घटना होने लगी है। अभी अभी करीब 2 बजे एक तेज रफ्तार हाइवा मोड के पास अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर में चढ़ गई। इससे डिवाइडर में लगे लोहे का एंगल टूट गया। रास्ता में कोई नहीं था इस कारण बड़ा हादसा टल गया। बता दे कि कुछ दिन पहले ही एक हाईवा इसी घटना स्थल के आसपास डिवाइडर में चढ़ गई थी। धीरे धीरे पाटन से रानी तराई मार्ग में अटारी मोड ब्लेक स्पॉट बनते जा रहा है।

शहीद एएसपी और पाटन के पूर्व एसडीओपी आकाश राव गिरपुंजे को पाटन के नागरिकों याद किया, आत्मानंद चौक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पाटन। एएसपी शहीद आकाश राव गिरीपुंजे को आज पाटन के नागरिकों ने नाम आंखों से श्रद्धा सुमन अर्पित किया। बता दे की आकाश राव गिरीपुंजे जी पाटन में लगभग 2 साल तक एसडीओपी के रूप में अपनी सेवाएं दी। इस दौरान उन्होंने अपनी जनमानस में एक ऐसी कर्तव्यनिष्ठ छवि बनाई जिसे आज सभी लोगों ने याद किया। स्वामी आत्मानंद चौक पाटन में नगर पंचायत पाटन, पत्रकार संघ पाटन, पाटन पुलिस एवं गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। पाटन थाना एवं एसडीओपी कार्यालय में पदस्थ सभी पुलिसकर्मियों ने सलामी देकर श्री आकाश राव सर का को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने मोमबत्ती जलाकर अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित किया इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष निक्की योगेश भाले, मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत वर्मा, पाटन थाना प्रभारी अनिल साहू, पत्रकार संघ के अध्यक्ष किशन हिरवानी, बलराम यादव ,संदीप मिश्रा ,आंचल पांडे ,टिकेंद्र वर्मा, राजू वर्मा, बाबा वर्मा , दिनेश मिश्रा, निशा सोनी सहित नगर पंचायत के पार्षद गण, अधिकारी गण, कर्मचारी गण एवं भारी संख्या में पुलिसकर्मी और आम नागरिक मौजूद रहे।

पॉलिटेक्निक में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ, 15 जून तक अंतिम तिथि

मुंगेली (समय दर्शन) शासकीय पॉलिटेक्निक मुंगेली एवं पथरिया में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश की प्रथम चरण की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। इच्छुक अभ्यर्थियों को दिनांक 11 जून से 15 जून के मध्य ऑनलाइन पंजीयन करना अनिवार्य है। यह पंजीयन आबंटित सीटों के आधार पर किया जाएगा। संस्थान के प्राचार्य ने जानकारी दी कि प्रथम चरण में 21 जून से 24 जून तक प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। प्रवेश प्रक्रिया को आसान एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से संस्थान परिसर में सुविधा केंद्र की स्थापना की गई है, जहां छात्रों को पंजीयन में किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर सहायता प्रदान की जाएगी। प्रथम वर्ष में प्रवेश पीपीटी प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट के माध्यम से होगा। द्वितीय वर्ष (लेटरल एंट्री) में प्रवेश उन छात्रों को मिलेगा जिन्होंने आईटीआई या 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण की हो। प्राचार्य ने छात्रों एवं अभिभावकों से अपील की है कि निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि समय पर सीट आबंटन और प्रवेश सुनिश्चित हो सके।

विभिन्न खेल पुरस्कारों के लिए आवेदन 26 जून तक

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विभिन्न खेल पुरस्कारों के लिए 26 जून तक आवेदन मंगाया गया है। वरिष्ठ खेल अधिकारी संजय पॉल ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को खेल पुरस्कार प्रदान कर राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। राष्ट्रीय एवं अधिकृत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त विजेता खिलाड़ियों को प्रोत्साहन नियम के तहत नगद राशि पुरस्कार अलंकरण प्रदान किया जाता है। ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने वर्ष 2023-24 व 2024-25 में सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की राष्ट्रीय एवं अधिकृत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किया है, वे अपना आवेदन संचालनालय, खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर अथवा जिला कलेक्टोरेट स्थित कार्यालय वरिष्ठ खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग में जमा कर सकते हैं।

पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ बसना ईकाई की बैठक

पत्रकार इब्राहिम कादरी के नेतृत्व मे सात पत्रकारों ने थामा महासंघ का हाथ

बसना (समय दर्शन)। पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ ब्लॉक ईकाई बसना की आवश्यक बैठक नगर पंचायत सभागार में प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

इस दौरान पत्रकार इब्राहीम कादरी के नेतृत्व में सात पत्रकारों ने थामा पत्रकार कल्याण महासंघ का दामन।

बैठक को संबोधित करते हुए सेवक दास दीवान ने कहा कि पत्रकार कल्याण महासंघ एक सबके लिए सब एक लिये के सिध्दांत को लेकर काम कर रही है। पत्रकार साथियों के हित संवर्धन व सुरक्षा को लेकर हम पूरी तरह से संकल्पित हैं। पत्रकार साथियों व उनके परिवारों के हित को ध्यान में रखते हुए पत्रकार कल्याण कोष की स्थापना का शुभारंभ हो चुका है। पत्रकार कल्याण महासंघ आम जनता की आवाज बनकर सामने आ रही है। पत्रकारिता के साथ साथ समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं।आर के दास प्रदेश सचिव ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के मार्गदर्शन में संगठन का विस्तार किया जा रहा है। पत्रकारों के हित में लगातार काम कर रहे हैं। आनेवाले समय में इसका सुखद परिणाम दिखेगा। कार्यक्रम का संचालन करते हुए जिला महासचिव अभय धृतलहरे

ने कहा कि हमने विभिन्न संगठनों में कार्य किया लेकिन पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ की रीति नीति सिध्दांत पत्रकार साथियों के हित में स्पष्ट दिख रहा है। हमारे प्रदेश अध्यक्ष सेवक दास दीवान जो वरिष्ठ पत्रकार हैं।पूरे प्रदेश में उनकी एक अलग छवि है। कलम के धनी कलमवीर के साथ काम करने का सौभाग्य एवं सानिध्य मिल रहा है। पत्रकार साथी दासरथी चौहान ने भी अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि पत्रकार कल्याण महासंघ आम जनता के हित में आईना बनकर काम कर रहा है। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए हमारी कलम लगातार चल रही है। अखबार, न्यूज चैनल के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विभिन्न समस्याओं को आईने की तरह दिखाने का कार्य हम कर रहे हैं। अरूण साहू ब्लॉक अध्यक्ष ने उपस्थित सभी पत्रकारों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

नये सदस्यों को पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़ की सदस्यता दिलाई गई। इब्राहिम कादरी के नेतृत्व में नये पत्रकारों ने पत्रकार कल्याण महासंघ की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उत्तर कुमार कौशिक, इब्राहिम कादरी,कुंजराम यादव, गोवर्धन नंदे, फिरोज खान,दीपक कुमार जगत,जीत कुमार यादव,तिलक राम बरिहा उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समीक्षा समिति की बैठक

आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी में प्रगति हेतु विशेष अभियान चलाने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, रिजर्व बैंक, नाबार्ड, लीड बैंक अधिकारी, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी तथा जिले के विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत आधार सीडिंग, डीबीटी ई-केवाईसी की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इन कार्यों में तेजी लाते हुए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में शिविर आयोजित कर

आधार सीडिंग और ई-केवाईसी के कार्यों को पूर्ण किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

कलेक्टर श्री महोबे ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बैंकों को इन योजनाओं का सक्रिय प्रचार-प्रसार करते हुए लोगों को जागरूक करने कहा। बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें और लक्ष्य के अनुरूप शतप्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों को किसान क्रेडिट कार्ड के लंबित आवेदनो के त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने केसीसी ऋण उपलब्ध कराने हेतु कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रकरणों पर चर्चा की औरसमय सीमा में प्रकरणों का निराकरण करने कहा।

लोकसंगीतकार खुमान साव को उनकी जन्म भूमि खुर्सीटिकुल में याद किया गया

वैचारिक संगोष्ठी के साथ ही गीतों भरी श्रद्धांजलि दी गई

राजनांदगांव - डोंगरगांव ब्लाक के खुर्सीटिकुल में खुमान साव संगीत अकादमी और शिवनाथ साहित्य धारा डोंगरगांव के संयुक्त तत्वावधान में लोक संगीतकार खुमान साव की 6 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। लोक संगीतकार और खुमान साव संगीत अकादमी के संस्थापक गोविंद साव के संयोजन में आयोजित खुमान साव व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि प्रभात तिवारी अध्यक्ष, प्रगतिशील लेखक संघ राजनांदगांव थे एवं अध्यक्षता कुबेर सिंह साहू वरिष्ठ साहित्यकार, संरक्षक साकेत साहित्य परिषद सुरगी ने की। प्रभात तिवारी ने कहा कि खुमान साव ने छत्तीसगढ़ी लोक संगीत को एक नई दिशा दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की माटी का मान पूरे भारतवर्ष में बढ़ाया। कुबेर सिंह साहू ने कहा कि खुमान साव बहुत ही अनुशासनप्रिय शख्स थे।वे बाहर से कठोर दिखते थे पर अंदर से बहुत नरम थे। कलाकारों की भुल को भी वे इस तरह से बताते थे कि उनको गलती का अहसास हो जाये और बुरा भी न लगे। उन्होंने संगीत साधना से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की खुशबू को बिखेरने

में महती योगदान दिया। वरिष्ठ कवि वीरेन्द्र कुमार तिवारी वीरू ने कहा कि खुमान साव जी कला के पारखी थे। उन्होंने छत्तीसगढ़ी लोक संगीत में अपनी मौलिकता से परचम लहराया। शिवनाथ साहित्य धारा डोंगरगांव के अध्यक्ष महेंद्र कुमार बघेल मधु ने कहा कि खुमान साव जैसी शख्सियत के साथ वर्ष 2015 में साकेत साहित्य सम्मान पाकर मैं धन्य हो गया। उनका सान्निध्य मिलना साकेत साहित्य परिषद के लिए बहुत ही गौरव की बात है। वे एक बेजोड़ संगीतकार है। ओमप्रकाश साहू अंकुर, अध्यक्ष साकेत साहित्य परिषद सुरगी ने कहा कि खुमान साव ने सैकड़ों कलाकारों की प्रतिभा को तराश कर उन्हें लोकप्रियता की बुलंदियों तक पहुंचाया। नाचा के पितामह मंदराजी दाऊ और चंदैनी गोंदा के सर्जक दाऊ रामचंद्र देशमुख के साथ काम कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सभा को लोक संगीतकार गोविंद साव,डा. इकबाल खान अध्यक्ष, वनांचल साहित्य समिति मोहला, केशव राम साहू सेवानिवृत्त प्राचार्य खुर्सीटिकुल, जीवन लाल साव वरिष्ठ नागरिक, मोहित साव वरिष्ठ नागरिक , रोहित कुमार तारम वरिष्ठ लोक गायक एवं साहित्य कार, मंच संचालक मुरलीशरण दास वैष्णव ने संबोधित करते हुए लोक संगीत के क्षेत्र में खुमान साव के योगदान का स्मरण किया। तारम ने अपनी लोकगायकी से एक अलग ही क्षमां बांधा ? । इस अवसर पर अनिल कसेर उजाला, मनीष साहू मन, गोवर्धन परतेती गंभीर, मुकेश कुमार शुक्ला, श्रीमती सुषमा शुक्ला, जसवंत मंडावी, कन्हैया लाल मेश्राम, डोहर दास साहू ने अपनी गीतों और कविताओं के माध्यम से लोक संगीत सम्राट को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का सरस संचालन मुरलीशरण दास वैष्णव एवं आभार व्यक्त खुमान साव संगीत अकादमी के संस्थापक गोविंद साव ने किया।

युक्तियुक्तकरण के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने किया बीईओ ऑफिस का घेराव

पामगढ़। छत्तीसगढ़ शासन के शालाओं को मर्ज करने और युक्तियुक्तकरण के आदेश के विरोध में आज ब्लाक कांग्रेस कमेटी द्वारा जोरदार प्रदर्शन कर बीईओ कार्यालय का घेराव किया । यह प्रर्दशन प्रदेश कांग्रेस के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पामगढ़ द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष नवल सिंह की अगुवाई , जिला कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष देवकुमार पाण्डेय , पूर्व ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह , जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रीति अजय दिव्य की उपस्थिति में किया गया। प्रदर्शन को देखते हुए बीईओ कार्यालय में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। कार्यालय घुसने के प्रयास में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी की स्थिति रही। घेराव के लिए कांग्रेस जन अंबेडकर चौक से गगन भेदी नारों के साथ पैदल निकले जिसके लिए स्थानीय प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी कर कांग्रेस जनों को रोकने के बीइओ आफिस के बाहर बेरीकेट्स लगा रखे थे । प्रर्दशन में

प्रमुख रूप से प्रमुख नेताओं के साथ अजय दिव्य, मनोज तिवारी,राजेंद्र यादव ,शिवशंकर सोनी, घासीराम चौहान , पामगढ़ नगर अध्यक्ष योगेश बघेल, खरौद नगर कांग्रेस अध्यक्ष, केबी यादव , प्रमेंद्र यादव, रामेश्वर यादव,अशोक खूंटे, , अनिल बघेल, कोमल ब्रह्मभट्ट, द्वारिका यादव, ओंकार रायसागर ,किशोर सिंह, ऊदल कश्यप,विजय यादव, राजकपूर साहू, राधेश्याम नोर्गे, राजेश मनहर,सर्जेंद्र मनहर, दीनदयाल साहू, घनश्याम साहू, दशरथ धीवर, सनिचराम कश्यप, नरेश सिंह, जय साहू, देवनारायण वैष्णव, भारत भूषण बंजारे, नंदकुमार खूंटे, मनोज रजक, राजाराम कश्यप, सानिया जांगड़े, किरण भारती, प्रेम साहू , निरूपा साहू , अनंत,रामदयाल दिनकर ,प्रीतेश लहरें, रामप्रीत कश्यप, महेंद्र कुर्रे, मोहन गोंड ,कांशीराम थवाईत, पूनम पूरी, अन्नपूर्णा धीवर,राजकुमारी धीवर,सैल कौशिक,किरण विश्वकर्मा,रानी सारथी,सावित्री कश्यप एवं कांग्रेस के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सामान्यजन उपस्थित रहे।

विषय बदल कर दी पोस्टिंग, बीईओ के विरूद्ध हुई शिकायत

राजनांदगांव। शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण किया गया है, जिसमें बहुत ज्यादा गड़बड़ी की लगातार जानकारियां सामने आ रही है। कैसे अधिकारियों ने नियम निर्देशों को ताक पर रखकर अपने चहेतों को अनुचित लाभ पहुंचाया। छत्तीसगढ़ पैरेंट्स एसोसियेशन के प्रदेश अध्यक्ष क्रिष्टोफर पॉल ने संभागीय आयुक्त और कलेक्टर को लिखित शिकायत कर यह बताया है कि कैसे कला की शिक्षिका को विज्ञान की शिक्षिका बताकर उनका नाम अतिशेष सूची में शामिल कर मनचाहे स्कूल में पोस्टिंग दिया गया है।

श्री पॉल के अनुसार श्रीमती अनिता भोर जो कि शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, ठाकुर प्यारे लाल स्कूल, जिला राजनांदगांव में विगत 10 वर्षो से पदस्थ थी, जो कला विषय की शिक्षिका थी, क्योंकि उसके वरिष्ठता सूची में उनका विषय कला उल्लेखित है, यानि उनका मूल विषय कला है, उसे विज्ञान की शिक्षिका बता कर उनका नाम अतिशेष सूची में शामिल कर उन्हें मनचाहे स्कूल शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, मोतीपुरी, जिला-राजनांदगांव में पदस्थ कर दिया गया है। श्री पॉल का कहना है कि कला शिक्षिका को विज्ञान शिक्षिका बताकर मनचाहे स्कूल में पोस्टिंग देना एक गंभीर मामला है, जो शिक्षा प्रणाली में अनियमितता और गलत व्यवहार को दर्शाता है, अधिकारियों से इस प्रकरण की जांच कर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, राजनांदगांव धनीराम देवांगन को निलंबित करने की मांग किया गया है।

महिला आयोग की जनसुनवाई में 30 प्रकरणों पर हुई सुनवाई, सीआरपीएफपर गिरी गाज

दुर्ग/समय दर्शन। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी ने आज दुर्ग जिले में महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों की जनसुनवाई की। बालगृह परिसर, पांच बिल्डिंग, महिला एवं बाल विकास कार्यालय में आयोजित इस जनसुनवाई में कुल 30 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। यह राज्य स्तरीय 322वीं एवं दुर्ग जिले की 12वीं जनसुनवाई रही। सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें एक मामला सीआरपीएफ में पदस्थ आरक्षक से जुड़ा था, जिसके विरुद्ध गंभीर आरोप सामने आए। आरोप है कि अनावेदक ने अपनी पत्नी को गर्भावस्था के दौरान घर से निकाल दिया और बच्चे के जन्म के बाद भी न तो पत्नी से मिलने गया और न ही नवजात को देखने आया। साथ ही, महिला और उसके परिवार के सभी सदस्यों के मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिए। महिला आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अगली

सुनवाई 25 जून को दंतेवाड़ा कैंप में तय की है और इसके पश्चात यह प्रकरण रायपुर कार्यालय में स्थानांतरित किया जाएगा।

वृद्ध सास-ससुर के खिलाफबहू की फर्जी शिकायत को किया गया निरस्त- एक अन्य मामले में वृद्ध सास-ससुर (उम्र 87 और 80 वर्ष) के खिलाफ उनकी बहू द्वारा लगातार झूठे आरोप लगाकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की शिकायत पर आयोग ने गंभीर टिप्पणी की। जांच में पाया गया कि बहू संपत्ति के लिए परेशान कर रही है और पहले भी माननीय उच्च न्यायालय से मामला हार चुकी है। इस पर आयोग ने प्रकरण को निराधार मानते हुए नस्तीबद्ध कर दिया।

एक मामले में स्कूल शिक्षक द्वारा महीने में केवल एक बार उपस्थिति दर्ज कराने आता था और म्यूजिक टीचर के रूप में बाहर काम करता था। कार्य में लापरवाही के आरोप में जांच के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही स्कूल में अपनी पत्नी को लेकर आता था। आरोपी शिक्षक का पक्ष दर्ज किया गया और दस्तावेजी साक्ष्य के आधार पर अगली सुनवाई रायपुर में तय की गई है।

नागपुर के एक प्रकरण में पुलिस द्वारा अनावेदक को नोटिस तामील कराया गया, लेकिन वह आयोग की सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए। आयोग ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई में उन्हें पुलिस के साथ अनिवार्य रूप से राज्य महिला आयोग रायपुर में 14 जुलाई 2025 को उपस्थित किया जाए। कई प्रकरणों में आपसी सुलह के बाद आवेदिकाओं द्वारा शिकायतें वापस ली गईं और उन्हें नस्तीबद्ध कर दिया गया। अन्य प्रकरण में आवेदिका का प्रकरण जमीन पर कब्जे का विवाद था। जिस पर अनावेदक के द्वारा आवेदक के पति के साथ राजस्व अधिकारी के कार्यालय में सीमांकन प्रकरण प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण निराधर होने के कारण प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया। संपत्ति विवाद, न्यायालय में लंबित प्लेग्राउंड विवाद, पारिवारिक झगड़े आदि जैसे प्रकरणों को न्यायालयीन प्रकृति का मानते हुए आयोग द्वारा नस्तीबद्ध किया गया। अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने कहा कि आयोग प्रत्येक महिला को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन साथ ही, झूठे और दुर्भावनापूर्ण आरोपों पर भी सख्त नजर रखी जा रही है, ताकि आयोग की प्रक्रिया का दुरुपयोग न हो।

मुख्यमंत्री ने मुलाकात के दौरान दंतेवाड़ा के युवा उद्यमियों को किया प्रोत्साहित

कैरियर निर्माण में अपनी क्षमता का बेहतर उपयोग करें युवा : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में खनिज, वन सहित अन्य प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। इसके फलस्वरूप कृषि के साथ-साथ उद्योग-धंधों सहित प्रत्येक क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं। आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी मौजूदा क्षमताओं का सही ढंग से उपयोग कर प्रदेश और देश के नव निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय विगत दिवस नवा रायपुर स्थित आईआईएम परिसर में दंतेवाड़ा के नवोदित उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि दंतेवाड़ा जिले के 50 युवाओं का एक बैच देश के प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान आईआईएम में उद्यमिता का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी युवाओं के उवल भविष्य की कामना की और कहा कि यह प्रशिक्षण उनके कैरियर निर्माण एवं जीवन संवारने में अत्यंत कारगर सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब कोई युवा उद्यमी अपने सपनों को साकार करता है, तो वह अनेक युवाओं के लिए प्रेरणा और अवसर का द्वार खोलता है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि आप सभी बस्तर क्षेत्र से हैं और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। आज बस्तर को सबसे संभावनाओं वाला क्षेत्र माना जा रहा है। प्रशिक्षण में आपने उद्यमिता से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें सीख ली हैं। अब उन्हें लागू कर अपने उद्यम को आरंभ कीजिए। शासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि क्षेत्र के साथ-साथ उद्योगों के विकास के लिए भी अनुकूल वातावरण है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के समग्र विकास के लिए हम निरंतर नवाचार, अनुसंधान तथा उद्यमिता को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए हमने 'नई औद्योगिक नीति 2024-30' लागू की है। इस नीति का मूल मंत्र है: न्यूनतम शासन, अधिकतम प्रोत्साहन। इसके तहत उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए 'सिंगल विंडो 2.0' व्यवस्था लागू की गई है, जिसके माध्यम से सभी आवश्यक क्लीयरेंस सुलभता से प्रदान किए जा रहे हैं। नई औद्योगिक नीति में प्रदेश के पिछड़े माने जाने वाले बस्तर और सरगुजा अंचल को सर्वाधिक निवेश प्रोत्साहन क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है, ताकि उनका त्वरित विकास सुनिश्चित हो सके।

चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री साय ने यह भी बताया कि नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत बस्तर में उद्योग स्थापित करने पर विशेष अनुदान का प्रावधान किया गया है। बस्तर के विकास का रोडमैप भी गत माह तैयार किया गया है, जिसमें कृषि, वनोपज आधारित व्यवसाय और पर्यटन सहित सभी प्रमुख क्षेत्रों के लिए योजनाएं बनाई गई हैं। बस्तर की कनेक्टिविटी अब उत्कृष्ट हो गई है, जिससे उद्यमियों के उत्पाद देश भर के बाजारों तक आसानी से पहुँच सकें। सड़कों के सशक्त जाल के माध्यम से विकास को प्रोत्साहन मिलता है।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान युवा अत्यंत उत्साहित नजर आए और उन्होंने भी अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर बड़े बचेली से चंद्रकुमार साहू, किरंदुल-बैलाडीला से अभिषेक गुप्ता, बचेली से अनिरुद्ध कुमार, बीजापुर से तेजस्व कुमार एवं नीलम पांडे, बचेली से कु. शिल्पा कुमारी तथा दंतेवाड़ा से राकेश यादव सहित 50 युवा उद्यमी उपस्थित थे।

संसद की समिति बैठक में सांसद बृजमोहन के पिताजी को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर/नई दिल्ली। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल सोमवार को संसद भवन में आयोजित दो महत्वपूर्ण समितियों, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की स्थायी समिति तथा प्राक्कलन समिति की बैठकों में शामिल हुए।

इस अवसर पर रसायन एवं उर्वरक मामलों की स्थायी समिति की बैठक की शुरुआत एक भावुक क्षण के साथ हुई, जब समिति अध्यक्ष कीर्ति आज़ाद सहित सभी सदस्यों और अधिकारियों ने बृजमोहन अग्रवाल के पिताजी स्वर्गीय रामजी लाल अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्रद्धासुमन अर्पित किए और अग्रवाल परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

इस अवसर पर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, यह हमारे परिवार के लिए अत्यंत भावुक और गर्व का क्षण है। समिति के सभी सदस्यों द्वारा जो सम्मान और स्नेह हमें मिला, उसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

बैठक में दवाओं के सक्रिय घटकों (API) के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु उठाए गए कदमों पर फार्मास्यूटिकल विभाग के अधिकारियों द्वारा विस्तारपूर्वक प्रस्तुति दी गई। उच्च गुणवत्ता के उत्पादों की उत्पादन क्षमता, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं (क्क्ष्ठ), एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार हुआ।

वहीं उर्वरक विभाग के अधिकारियों ने उर्वरक सब्सिडी योजनाओं की निगरानी और आधुनिक व पर्यावरण अनुकूल उर्वरकों की उपलब्धता जैसे विषयों पर जानकारी साझा की।

प्राक्कलन समिति बैठक

प्राक्कलन समिति की बैठक में 'प्राकृतिक गैस की आपूर्ति और वितरण: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, गैस पाइपलाइन अधोसंरचना, घरेलू उत्पादन में आत्मनिर्भरता एवं भावी रणनीतियों पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तुति दी।

सांसद अग्रवाल ने इस दौरान छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में ऊर्जा ढांचे के विस्तार और गैस आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

नक्सली हमले में घायल जवानों से मिलने पहुंचे मुख्यमंत्री साय

रायपुर। सुकमा जिले के कोंटा में हुए नक्सली हमले में घायल जवानों का हालचाल जानने सोमवार को मुख्यमंत्री साय ने रामकृष्ण अस्पताल पहुंचे। उन्होंने घायलों से मुलाकात की और उनका मनोबल बढ़ाया तथा डॉक्टरों से उनके उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि सभी घायल जवानों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और इलाज में किसी भी तरह की कोताही न हो। उन्होंने घायल जवानों की जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए परिजनों से भी बातचीत की और सरकार की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

विधायक कॉलोनी रिक्त जमीन पर बने, गरीबों के घर तोड़कर नहीं: बृजमोहन

सांसद अग्रवाल ने सीएम को लिखा पत्र, नकटी गांव में विधायक कॉलोनी निर्माण पर रोक की मांग

रायपुर। रायपुर लोकसभा के सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने ग्राम नकटी (विकासखंड धरसीवां) में गरीब परिवारों की बसाहट पर विधायक कॉलोनी निर्माण को लेकर कड़ा एतराज जताया है। उन्होंने इस विषय पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। बृजमोहन ने अपने पत्र में कहा कि खसरा नंबर 460, रकबा 15.4790 हेक्टेयर भूमि पर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा विधायक कॉलोनी निर्माण प्रस्तावित है, लेकिन इस जमीन पर 80 से अधिक गरीब परिवार वर्षों से निवासरत हैं। कई परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान भी मिल चुके हैं और यहां सामुदायिक भवन समेत शासकीय निर्माण भी मौजूद हैं। विधायक कॉलोनी रिक्त जमीन पर बने, गरीबों के घर तोड़कर नहीं

सांसद अग्रवाल ने लिखा: यह भूमि ग्रामीणों की साझा संपत्ति है, जिसे पूर्वजों ने चारागाह के रूप में सुरक्षित किया था। ग्रामसभा और पंचायत भी कॉलोनी निर्माण का विरोध कर चुकी है। शासन ऐसा विकास न करे, जिससे लोग बेघर हो जाएं। इस मुद्दे को लेकर पूर्व विधायक देवजीभाई पटेल ने भी बृजमोहन अग्रवाल से भेंट कर ग्रामीणों की पीड़ा साझा की और ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि यहां रह रहे अधिकांश लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं, और यह भूमि उनकी आजीविका व सम्मान से जुड़ी हुई है।

मुख्यमंत्री से तत्काल कार्रवाई की मांग- बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से प्रस्तावित निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने और प्रशासन को यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि विधायक कॉलोनी ग्रामवासियों की भूमि को छोड़कर शेष खाली जगह या वैकल्पिक स्थान पर बनाई जाए।

विकास बनाम विस्थापन का सवाल- इस मामले ने विकास बनाम विस्थापन की बहस को फिर से हवा दे दी है। अग्रवाल का कहना है कि विकास ज़रूरी है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे गरीबों की छत छिन जाए। ग्रामीणों के हक में की गई इस पैरवी ने स्थानीय जनमानस में उम्मीद की किरण जगाई है और अब सबकी निगाहें शासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के कार्यों का कलेक्टर ने किया समीक्षा

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने प्राइवेट स्कूल संचालकों को कोर्स, ड्रेस और पुस्तक खरीदी के लिए दबाव नहीं बनाने के सख्त निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में जिले के स्कूल शिक्षा विभाग के कार्यों का समीक्षा किया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी लक्ष्मी प्रसाद पटेल, सीईओ जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन, समग्र शिक्षा नोडल अधिकारी नरेश कुमार चौहान सहित बीईओ रेशम लाल कोसले और नरेन्द्र कुमार जांगड़े सहित प्राचार्य, बीआरसी आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि स्कूली बच्चों को समय पर शिक्षा और मध्यान्ह भोजन मिले। इसके साथ-साथ स्कूलों में पेयजल, सामान्य विद्यालय भवन, जर्जर न हो, शौचालय आदि बुनियादी सुविधा हो। शिक्षक समय पर स्कूल जाएं और ड्यूटी के दौरान शराब सेवन नहीं करें। शिक्षक पद के गरिमा के अनुरूप बच्चों के साथ अच्छी शिक्षा और संस्कार दें। यदि किसी शिक्षक के विरूद्ध कोई शिकायत आता है तो उसकी जांच की जाएगी और जांच सही पाए जाने पर उनके विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने कहा कि निजी स्कूल संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि सीजी बोर्ड या सीबीएसई बोर्ड में से किसी एक का सिलेबस पढ़ाएं। पालकों और बच्चों पर किसी प्रकार का बंधन नहीं होना चाहिए कि ड्रेस या पुस्तक किसी एक ही दुकान से खरीदें। फीस भी उतना ही लेंगे, जितने जरूरी हो। निजी स्कूलों के बस का फिटनेस सही होना चाहिए। ड्रायवर शराब पीकर वाहन नहीं चलाएं इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

कलेक्टर ने सभी शासकीय और निजी स्कूल प्रभारियों को कहा कि आरटीई के तहत बच्चों का एन्ट्री और नियमानुसार बच्चों का दाखिला लिया जाए। स्कूली बच्चों का जाति प्रमाण पत्र भी समय पर बनाएं। युक्तियुक्तकरण के तहत जिन शिक्षकों ने अब तक पदस्थापना वाले स्कूलों में पदभार ग्रहण नहीं किया है तो वे शीघ्र पदभार ग्रहण करें। इसी प्रकार लम्बे समय तक नियम विरूद्ध अवकाश या अनुपस्थित रहता है तो उनके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर को कोसीर हाईस्कूल के शिक्षिका ने जानकारी दी कि उनके स्कूल में बच्चों का लगभग 85 प्रतिशत बच्चों का परिणाम रहा। कलेक्टर ने पूछा कि किस तरह से यह शिक्षा व्यवस्था दी। शिक्षिका ने कहा कि वह प्रोजेक्टर के माध्यम से और क्लास जाकर नियमित रूप से बच्चों की मॉनिटरिंग की। कलेक्टर ने अन्य शिक्षकों, प्राचार्यों और प्रधान पाठकों से प्रेरणा लेने कहा। इस अवसर पर सभी ने ताली बजाकर हौसला अफ्जाई की।

संक्षिप्त समाचार

अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर ने 83 वर्षीय दादी को दिया नया जीवन

बिलासपुर । कमला देवी* (*गोपनीयता के लिए नाम बदला गया है) 83 वर्षीय के लिए हर रोज़ की तरह सुबह अपने परिवार के लिए नाश्ता तैयार कर रही थी, तब अचानक, उनकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और वह रसोई के फर्श पर बेहोश होकर गिर पड़ी। यह भयावह दृश्य पिछले कुछ महीनों में उनके घर में बहुत आम हो गया था। कई हफ्तों से, कमला देवी को बेहोशी और अत्यधिक कमज़ोरी के दौरे बार-बार पड़ रहे थे, उनका परिवार चिंतित और असहाय हो गया था। पास के मंदिर में जाना या अपने छोटे से बगीचे की देखभाल करना जैसे हर दिन के साधारण काम उनके लिए असंभव चुनौतियां बन गई थीं। उनके परिवार को यह एहसास नहीं था कि उनका दिल मदद के लिए पुकार रहा था। अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर के सीनियर कार्डिओलॉजिस्ट, डॉ. महेश कुमार समन ने बताया, जब हृदय बहुत धीरे धड़कता है, तो मरीज़ों को चक्कर आना, बेहोशी आना, अत्यधिक थकान जैसी तकलीफें होती हैं और गंभीर मामलों में, यह जानलेवा भी हो सकता है। ये लक्षण मरीज़ के जीवन की गुणवत्ता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं और अगर इनका इलाज न किया जाए तो गंभीर जटिलताएं पैदा कर सकते हैं।

जब दिल की प्राकृतिक लय बिगड़ जाती है- हमारा हृदय दिन में लगभग 100,000 बार धड़कता है, हमारे पूरे शरीर में जीवन-रक्षक रक्त पंप करता है। इस लयबद्ध धड़कन को हृदय की प्राकृतिक विद्युत प्रणाली द्वारा नियंत्रित किया जाता है - यह सोफिस्टिकेटेड नेटवर्क सुनिश्चित करता है कि हृदय की हर धड़कन सही समय पर और सही ताकत के साथ हो। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, इस विद्युत प्रणाली में समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कमला देवी के मामले में, उनके हृदय का प्राकृतिक पेसमेकर एक स्थिर लय नहीं बना पा रहा था। इस स्थिति को ब्रैडीकार्डिया कहते हैं, जिसकी वजह से हृदय बहुत धीरे-धीरे धड़कता है, दिमाग और दूसरे महत्वपूर्ण अंगों को ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं मिल पाता है। शरीर के अंगों को ठीक से काम करने के लिए ऑक्सीजन की ज़रूरत होती है।

बिलासपुर में मेडिकल क्रांति - परंपरागत मेडिकल प्रथाओं के अनुसार कमला देवी जैसे मरीज़ों को पेसमेकर बिठाया जाता है - कॉलरबोन के पास त्वचा के नीचे यह एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बिठाया जाता है, जिसे लीड के पतले तारों के ज़रिए हृदय से जोड़ा जाता है। ये उपकरण प्रभावी है लेकिन उनकी अपनी कुछ चुनौतियां भी हैं, खासकर बुजुर्ग मरीजों के लिए।

अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर ने अब एक क्रांतिकारी समाधान पेश किया है जो मध्य भारत में हृदय देखभाल में क्रांति ला रहा है: लीडलेस पेसमेकर। यह अत्याधुनिक तकनीक हृदय ताल विकारों के इलाज के तरीके में एक आदर्श बदलाव लेकर आयी है।

डॉ. समन ने समझाया, लीडलेस पेसमेकर एक बड़े विटामिन कैप्सूल के आकार का होता है। पारंपरिक पेसमेकर की तरह इसमें किसी लीड या तार की आवश्यकता नहीं होती है। इसके बजाय, इसे न्यूनतम इनवेसिव कैथेटर-आधारित प्रक्रिया के माध्यम से सीधे हृदय में प्रत्यारोपित किया जाता है।

लाइफ़स्टाइल ने सीजन की सबसे बड़ी सेल का ऐलान कर दिया है और यह नया कैंपेन खासतौर से तमन्ना भाटिया के साथ है

रायपुर! लाइफ़स्टाइल, जो भारत के प्रमुख फैशन डेस्टिनेशन्स में से एक है, अपनी एंड ऑफ सीजन सेल (श्वह्रस्) शुरू कर रहा है, जिसका लोग बहुत बेसब्री से इंतजार करते हैं, जिसमें खरीदारों को लेटेस्ट और मॉर्डन फैशन प्रोडक्ट की एक लंबी-चौड़ी कैटेगिरी पर 50त्न तक की छूट दी जा रही है। इसके अलावा, एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए एक खास ऑफ़र है, जिसमें उन्हें तुरंत 10त्न की छूट मिलेगी। * नियम और शर्तें लागू। सीज़न को और रोमांचक बनाते हुए, लाइफ़स्टाइल ने इस कैंपेन के लिए खासतौर से तमन्ना भाटिया के साथ साझेदारी की है। अपने नेचुरल चार्म और अखिल भारतीय अपील के लिए जानी जाने वाली तमन्ना ने इस नए कैंपेन में ग्लैमर और भरोसे का अनोखा मेल पेश किया है। प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड्स के लेटेस्ट ट्रेंड और फैशन विकल्पों के बहुत बडे सिलेक्शन के साथ, लाइफस्टाइल सेल फैशन के प्रति जागरूक रहने वाले खरीदारों को उचित कीमत पर अपने वॉडरोब को पूरी तरह से नई-नई चीज़ों से अपग्रेड करने की पहुँच देता है। इस सीज़न का कलेक्शन, नए व क्लासिक पीस वाले गर्मियों के तैयार डिज़ाइन का मेल है, जो हर खरीदार के लिए कुछ न कुछ लाया है, चाहे वह प्रीमियम स्टाइल की तलाश में हो या रोज़मर्रा के फैशन की। इस सेल को और भी ज़्यादा प्रासंगिक बनाने वाली बात यह है कि लाइफ़स्टाइल प्रीमियम और हाई-फ़ैशन प्रोडक्ट्स को ज़्यादा सुलभ बनाकर फैशन उघोग के दायरे को बदल रहा है और एक ऐसा स्थान बना रहा है जहाँ कीमत और स्टाइल बहुत हद तक एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

भटपल्ली में जल जीवन मिशन से साकार हुआ हर-घर जल का सपना

रायपुर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखण्ड स्थित ग्राम पंचायत तिमेड़ के आश्रित ग्राम भटपल्ली ने ग्रामीण पेयजल आपूर्ति के क्षेत्र में अनुकरणीय उपलब्धि हासिल की है। यह ग्राम अब राज्य के उन चुनिंदा गांवों में शामिल हो गया है जहां हर घर में नल से शुद्ध पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। पूर्व में ग्राम भटपल्ली में जल आपूर्ति की एकमात्र व्यवस्था हैंडपंपों पर निर्भर थी, जिससे ग्रामीणों को पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। गर्मी के महीनों में हैंडपंपों के जवाब देने की स्थिति में जल संकट और भी गंभीर हो जाता था। लेकिन अब जल जीवन मिशन के अंतर्गत क्रियान्वित समूह जल प्रदाय योजना के माध्यम से ग्राम के 81 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराए गए हैं। इससे ग्रामीणों को अब अपने ही घर में आसानी से शुद्ध जल उपलब्ध हो रहा है। बीते दिनों ग्रामसभा के माध्यम से ग्राम भटपल्ली का शत-प्रतिशत हर-घर जल प्रमाणीकरण किया गया। इस अवसर पर ग्राम की सरपंच श्रीमती वासम लक्ष्मी, सचिव श्री अल्लेम कृष्णाराव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत को जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन, अनुरक्षण एवं सतत क्रियाशीलता की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस पहल से ग्रामीणों में जल की महत्ता एवं संरक्षण के प्रति चेतना में वृद्धि हुई है और वे अब जल प्रबंधन की सामुदायिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। भटपल्ली ग्राम की यह पहल जल जीवन मिशन के व्यापक उद्देश्य हर घर जल, हर घर स्वस्थ्य को साकार करने की दिशा में एक प्रभावी उदाहरण है।

संपादकीय

पाठय़क्रम में आमूलचूल परिवर्तन

आईआईटी-दिल्ली ने छात्रों पर बोझ कम करने और उद्योग जगत की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए बारह वर्षों के बाद अपने पाठय़क्रम में आमूलचूल परिवर्तन किया है। संस्थान के निदेशक रंगन बनर्जी ने मंगलवार को एक इंटरव्यू में कहा था, 'पाठय़क्रम में पिछली बार संशोधन 2013 में किया गया था। इस बीच, उद्योग जगत की मांग तेजी से बदल रही है..एआई एक नया उभार है, और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस सुधार की कवायद 2022 में शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में संस्थान ने हितधारकों से व्यापक प्रतिक्रिया ली है, और उनकी मांग और जरूरत के अनुसार जरूरी बन पड़े बदलाव पाठय़क्रम में किए हैं। पाठय़क्रम को ही कम नहीं किया गया है, बल्कि कक्षा का आकार कम करने का फैसला भी किया गया है। पहले दो सेमेस्टर के लिए कक्षा का आकार अब 200 की बजाय 150 होगा ताकि छात्र पर अधिक ध्यान सुनिश्चित किया जा सके। कहा जा सकता है कि आईआईटी का पाठय़क्रम संबंधी फैसला दूरगामी परिणाम हासिल करने की दृष्टि से किया गया है। देश में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। इससे पूर्व नई शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है और अब देश के एक प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान का यह फैसला क्रांतिकारी पर्वितन की दिशा में उठाया गया कदम करार दिया जा सकता है। वैसे भी एआई और प्रोग्रामिंग जैसे पाठय़क्रमों का शिक्षण-प्रशिक्षण जरूरी बन गया है। जरूरी है कि जटिलताएं शिक्षण-प्रशिक्षण में खासी अवरोध खड़े करती हैं। उच्च शिक्षा और खास तौर पर प्रतियोगी शिक्षण-प्रशिक्षण में विद्यार्थियों पर अनावयक तनाव रहता है, और तनाव इस कदर हावी हो जाता है कि आये दिन छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें आती रहती हैं। यदि पाठय़क्रम का बोझ बनिस्बत कम हो और कक्षा की छात्र स्ट्रेंथ ज्यादा न हो तो पढ़ाई-लिखाई के लिए परिणामोन्मुख माहौल तैयार हो सकता है। हालांकि आईआईटी-दिल्ली ने बारह साल बाद पाठय़क्रम में बदलाव किया है, लेकिन बदलते समय के साथ ताल मिलाए रखने के लिए यह जरूरी कवायद है। तनावरहित शिक्षण-प्रशिक्षण हो तो न केवल उच्च शिक्षा का उद्देश्य पूरा होता है, बल्कि उच्च शिक्षा अपनी उपयोगिता भी साबित करती है। पाठय़क्रम में कठिनता को कम करने का फैसला वास्तव में सराहनीय है।

पाकिस्तान बनने जा रहा है बांग्लादेश?

प्रो. सतीश कुमार

यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है कि क्या बांग्लादेश पाकिस्तान बनने जा रहा है? भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया है कि हर समस्या के लिए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत के ऊपर दोषारोपण न करे। यह तरीका पाकिस्तान का रहा है। पिछले कुछ वर्षो से पुख्ता संकेत हैं कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच पुन- एक नई लकीर खींची जा रही है जिसका मकसद भारत का विरोध है। दोनों देशों की इंटेलिजेंस भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में अशांति फैलाने की योजना की तैयारी में हैं। जब से शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए विवश किया गया है तब से बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। बांग्लादेश में कट्टरता, अल्पसंख्यकों पर हमले या लोकतांत्रिक मूल्यों में गिरावट जैसे संकेत देखे जाते हैं। हाल के वर्षो में हिन्दू, बौद्ध और ईसाई समुदायों पर हमले हुए हैं। यूनुस ने पिछले छह महीनों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दो बार मुलाकात की। एक बार न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान और दूसरी बार काहिरा में डवलपिंग समिट में। दोनों देशों ने सीधे व्यापार को फिर से शुरू किया है और वीजा प्रतिबंधों में ढील दी है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से थंडर फाइटर जेट खरीदने में रुचि दिखाई है, जो पाकिस्तान और चीन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किए गए हैं। यह बांग्लादेश के 'फोर्सेस गोल 2030' कार्यक्रम का हिस्सा है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में गतिविधियां बढ़ा रही है और भारत के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या आतंकवादियों का उपयोग कर सकती है। चीन, तुर्की, और पाकिस्तान मिल कर बांग्लादेश में 'ग्रेटर बांग्लादेश' की अवधारणा को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत के पूर्वोत्तर में अशांति फैल सकती है। बांग्लादेश की राजनीति पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ी है। सलाहकार राष्ट्रपति प्रो. यूनुस बांग्लादेश को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करने की साजिश रच रहे हैं जहां से कट्टरपंथ की अंधेरी सुरंग शुरू होती है, जिसका कोई अंत नहीं है। पाकिस्तान 75 सालों में इसी सुरंग में फंसा हुआ है जहां से उसका निकलना अब असंभव प्रतीत होता है। झबांग्लादेश में विद्यार्थी संगठनों को कट्टरपंथी बनाया जा रहा है और सत्ता के गलियारों में उनकी शिरकत के रास्ते बनाए जा रहे हैं। इस बात की ताकीद और कोई नहीं, बल्कि वहां की सेना ने की है। भारत के लिए चिंता का विषय इसलिए भी है कि बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर भारत विरोधी मुहिम की झलक दिखाई दे रही है। दरअसल, यह सब कुछ सुनयोजित रणनीति का हिस्सा है। बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा महज 271 किमी. की है, लेकिन है बहुत महत्त्वपूर्ण, विशेषकर भारत के लिए। मिजोरम की सीमा दोनों देशों से मिलती है। म्यांमार के 3 जिले, जो अशांत हैं, इसी सीमा पर स्थित हैं। बांग्लादेश का कॉक्स बाजार दूसरी तरफ है। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ 5 देशों की सीमाएं मिलती हैं-चीन, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार। सब कुछ चीन के इशारे पर किए जाने की तैयारी है। आईएसआई की बांग्लादेश में बढ़ती गतिविधियों से भारत की पूर्वोत्तर सीमा पर खतरा बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार, आईएसआई बांग्लादेश को आतंकी गतिविधियों के लिए लॉन्चपैड के रूप में उपयोग करने की कोशिश कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह त्रिकोणीय गठबंधन भारत की क्षेत्रीय स्थिति को कमजोर कर सकता है। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में चीन द्वारा प्रस्तावित हवाई अड्डा परियोजना भारत की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि यह रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास है। म्यांमार में चल रहे गृह युद्ध के दौरान भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के कई विद्रोही समूहों ने म्यांमार में शरण ली है, और वहां की सैन्य जुंटा के साथ समझौते किए हैं।

डिजिटल क्रांति की कथा सुनाने लगे गांव

ज्योतिरादित्य सिंधिया

आज गलवान और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में तैनात हमारे सैनिक इंटरनेट की तेज स्पीड के साथ पूरी दुनिया से जुड़ रहे हैं। जो कभी बर्फीली खामोशियों में रहते थे, वे अब हाई-स्पीड इंटरनेट से संवाद कर रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर का व्यापारी वैश्विक बाजार तक पहुंच रहा है, तो छत्तीसगढ़ के जंगलों में रहने वाले छात्र ऑनलाइन पढ़ाई से अपने सपनों को ऊंची उड़ान दे रहे हैं। यह सिर्फ कनेक्टिविटी नहीं, मनोबल बढ़ाने वाली क्रांति है। यह बदलाव अचानक नहीं आया है, यह उस संकल्प की परिणति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' के रूप में लिया था। बीते 11 वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों ने एक नई डिजिटल क्रांति को जन्म दिया, जो न केवल शहरों को, बल्कि गांवों, सीमाओं व जंगलों को भी जोड़ रही है। आज, जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, तो इस यात्रा में मजबूत दूरसंचार तंत्र व भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी एक सशक्त उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सिर्फ तकनीकी विकास नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से जन-सशक्तीकरण का नया अध्याय रचा है।

भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है। मेगाबाइट से गीगाबाइट तक की यह वृद्धि 'डिजिटल इंडिया' की नींव बन रही है। मात्र 11 साल में ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 1,449 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई, जिसकी संख्या आज 95 करोड़ है। मार्च 2014 से मार्च 2025 तक भारत में टेलीफोन कनेक्शन की संख्या 93.3 करोड़ से बढ़कर 120.167 करोड़ हो गई है, जिसमें मोबाइल उपयोगकर्ताओं की संख्या 115.786 करोड़ है। आज भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन चुका है। यहां बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल देश में ही बनते हैं। एक समय था, जब एक जीबी डाटा के लिए उपभोक्ताओं को 268.97 रुपये चुकाने पड़ते थे, लेकिन आज वह मात्र 9.34 रुपये में उपलब्ध है, यानी 96 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट हमारे 'सर्वव्यापी कनेक्टिविटी' को शक्ति दे रही है।

ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तब भारत के लाखों गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी से अछूते थे। प्रधानमंत्री जानते थे कि यदि भारत को 21वीं सदी में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो प्रत्येक गांव, पंचायत और कस्बे को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा। इसी दृष्टि से 'भारत नेट परियोजना' शुरू की गई, जो विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण टेलीकॉम कनेक्टिविटी परियोजना है। इसके पहले चरण में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा चुका है, अगले चरण में और 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से भारत में एक विशाल डिजिटल हाईवे का निर्माण हुआ है, जिसके लाभ आज देश के हर कोने में महसूस किए जा रहे हैं।

दूरसंचार का महत्व केवल फोन, टीवी या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण बन चुका है। जन-धन, आधार और मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी ने डिजिटल वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। आज इसी डिजिटल हाईवे के माध्यम से भारत वैश्विक डिजिटल पेमेंट्स में 46 प्रतिशत योगदान दे रहा है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं और जन-सहभागिता का सशक्त प्रमाण है।

ट्रैफिक के बढ़ते दबाव के अनुरूप इस सरकार ने लगातार तकनीकी नवाचार करते हुए देश की इंटरनेट कनेक्टिविटी को आधुनिक व सक्षम बनाए रखा है। इस प्रयास के केंद्र में है हमारा स्वदेशी संचार नायक- बीएसएनएल। 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत सरकार द्वारा किए गए ठोस प्रयासों के फलस्वरूप यह एक बार फिर मजबूती से उभर रहा है। 17 वर्षों में पहली बार इसने लगातार दो वित्तीय तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया है। देश भर में 93,000 से अधिक 4जी टावर की स्थापना के साथ बीएसएनएल अपने उपयोगकर्ताओं को सुलभ और निर्बाध 4जी कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है, वह भी पूर्ण स्वदेशी तकनीक के माध्यम से।

बीएसएनएल ने महज 22 महीनों में देश का पहला पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक विकसित किया, जिससे भारत उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो यह तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुके हैं। जनता के इस भरोसे और समर्थन ने बीएसएनएल को यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है, जो 'डिजिटल इंडिया' के आत्मनिर्भर संचार तंत्र की एक बड़ी उपलब्धि है।

इसी संचार क्रांति की अगली कड़ी में अब डाक विभाग भी तकनीक और सेवा के क्षेत्र में एक नई भूमिका निभा रहा है। एक समय था, जब डाक विभाग को केवल पत्र लाने-ले जाने तक सीमित माना जाता था, पर आज यह विभाग ग्रामीण भारत की जीवन-रेखा के रूप में उभर रहा है। 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ इसे एक सशक्त लॉजिस्टिक्स और सेवा प्रदाता संगठन के रूप में बदला जा रहा है।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं अब देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी हैं। यह बदलाव इतना व्यापक है कि अब 'डाकिया डाक लाया' की पारंपरिक छवि की जगह 'डाकिया बैंक लाया' की नई पहचान ने ले ली है। यह परिवर्तन सिर्फ सेवा का नहीं, बल्कि सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है, जहां ग्रामीण भारत को अब शहरों की ओर देखने की जरूरत नहीं, बल्कि गांव अब डिजिटल भारत की गति को संबल दे रहे हैं। सरकार डाक विभाग को देश की आर्थिक आधारशिला का हिस्सा बनाते हुए इसे एक वित्तीय महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

ग्रामीण विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का ही यह परिणाम है कि गांव में बैठे-बैठे आम जनता सुविधाजनक तरीके से न सिर्फ सरकारी सुविधाओं का लाभ ले पा रही है, बल्कि राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए अब बड़े शहरों पर आश्रित नहीं होना पड़ता, क्योंकि उनके गांव में सुलभ मजबूत कनेक्टिविटी और ऑनलाइन कक्षाएं उनके लिए नित नए द्वार खोल रही हैं। व्यापारियों को अब बैंकों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, क्योंकि इंटरनेट के माध्यम से सभी लेन-देन और हिसाब ऑनलाइन ही हो जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश को डिजिटल कनेक्टिविटी में विश्व-स्तरीय सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध रही है और पिछले 11 वर्ष इसकी अभूतपूर्व सफलता के गवाह रहे हैं।

मोदी शासनः एक रुद्र बनाम रौद्र रूप, गर्व कीजिए कि हम भारतीय हैं!

कमलेश पांडे

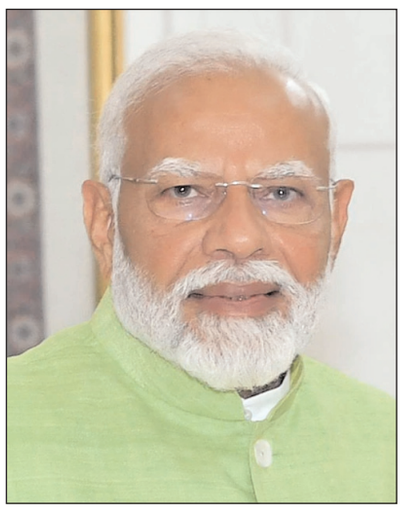

सदैव लोककल्याणकारी देवाधिदेव महादेव के दरबार में एक रुद्र का मतलब ग्यारह होता है। सनातन धर्म में यह बेहद कल्याणकारी अंक समझा जाता है। इस नजरिए से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजनीतिक क्लोन भारतीय जनता पार्टी के देशव्यापी शासन के छठवीं पारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निरंतरता के 11 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों यानी हर हिंदुस्तानी को गर्व तो होना ही चाहिए। क्योंकि इसी वर्ष पाकिस्तान द्वारा प्रोत्साहित और चीन-अमेरिका द्वारा उकसाए हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद दी गई जवाबी प्रतिक्रिया में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी संयुक्त सेनाओं ने जो अपना रौद्र रूप दिखलाया है, वह काबिलेतारीफ है। इसने दुनियावी महाशक्तियों को अपनी हद में रहने अन्यथा दुष्परिणाम झेलने का दो टूक संदेश दिया है। कहना न होगा कि भारतीयों की यह महानतम उपलब्धि अनायास नहीं है, बल्कि मोदी सरकार की ग्यारह वर्षीय सैन्य साधना का चमत्कार है। यह आरएसएस के शताब्दी वर्ष को और भाजपा को 45 वर्ष पूरे करने की सलामी है, जिसे जनसंघ को विघटित किये जाने के पश्चात एक नया रूप दिया गया था। वैसे तो जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी-दीन दयाल उपाध्याय, पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी-पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी-गृहमंत्री अमित शाह सरीखे सैकड़ों-लाखों संघ पुरुषों के त्याग-बलिदान के बाद यह शुभ दिन देखने को मिल रहा है, इसलिए युगपुरुष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष बधाई के पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने जिस शिद्दत से यह महानतम उपलब्धि हासिल की है और विभिन्न उपलब्धियों की जो विश्वयव्यापी श्रृंखला बनाई है, वह अनुकरणीय है। इसके लिए मोहन भागवत जैसे विभिन्न संघ प्रमुखों व उनके लाखों स्वयंसेवकों व भाजपा कार्यकर्ताओं के त्याग व बलिदान को भी नहीं भुलाया जा सकता है। कहना न होगा कि 'विदेशी एजेंट्स' के तौर पर कार्य करने वाले कतिपय भारतीय राजनेताओं ने जिस भाजपा को सियासी अछूत और साम्प्रदायिक पार्टी करार देने में कोई कोताही नहीं बरती, आज उसी की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां व सूबाई रणनीति इन राजनेताओं के राजनीतिक अस्तित्व को ही समाप्त करती जा रही हैं। अमेरिका और चीन जैसे अंतरराष्ट्रीय दोगले देशों के साथ चूहे-बिल्ली का खेल खेलते हुए भारत अब दुनिया की बड़ी आर्थिक व सैन्य शक्ति बन गया है। आर्थिक रूप से शक्तिशाली देशों की सूची में भारत जहां वर्ष 2014 में 10वें स्थान पर था, वह अब 2025 में 4थे स्थान पर पहुंच चुका है। हमारी अर्थव्यवस्था अब उछलकर विश्व के चौथे स्थान पर जा पहुंची है। कहने का तातपर्य यह कि जिस ब्रिटेन ने दुनियाभर पर राज्य किया, वह तो कब का भारत से पिछड़ गया, वहीं अब धनकुबेर जापान को भी भारत ने पछाड़ दिया है और अपनी हठधर्मिता से दुनिया को दो विश्व युद्ध की सौगात देने वाले और तीसरे संभावित विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार करने वाले जर्मनी को आर्थिक चकमा देकर भारत कब दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन जायेगा और फिर अमेरिका-चीन से आर्थिक होड़ शुरू कर देगा, इसमें ज्यादा अवधि नहीं बची है! क्या यह देशवासियों के खुश होने का वक्त नहीं है? आंकड़े बताते हैं कि 1947 में आजादी मिलने के बाद साल 2014 तक यानी लगभग 70 वर्षों में देश महज 2 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी ही बना पाया था। ऐसा इसलिए कि हमारी सरकारें विदेशियों के मुंह पोछते रहने की आत्मघाती नीतियों पर चल रही थीं। वहीं, राष्ट्रवादी सरकार की 4थी से 6 ठी पारी के बीच यानी 11 साल बाद भारतीय अर्थव्यवस्था 4.2 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन चुकी है। अब भारत का तात्कालिक लक्ष्य तीसरे स्थान पर चल रहे जर्मनी को पछाड़कर 2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनना है। मतलब साफ है कि एक विकासशील देश से विकसित देश बनने को आतुर भारत का अगला शिकार जर्मनी होगा। तब भारत की अर्थव्यवस्था से आगे सिर्फ चीन और अमेरिका रह जाएंगे, जो हमसे पिछले कई दशकों से मजबूत प्रतिद्वंद्विता करते आए हैं।

ऐसे में हम विगत 11 सालों में मोदी सरकार या एनडीए सरकार पास हुई या फेल, इस विवाद को हम विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के लिए छोड़ते हैं। जबकि बाकी काम जनता जानती है और उसके पास जवाब देने के लिए अनेक अवसर हैं। जो असंभव को संभव बनाने का कार्य मोदी सरकार ने किया है, वह हम सबके सामने है। चाहे राम मंदिर निर्माण हो, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति हो और तीन तलाक़ नामक कुप्रथा की समाप्ति, आदि.... ऐसे बड़े काम हैं जो पिछली सरकारें कभी नहीं कर पातीं।

उसे छोड़िए, हुआ न हुआ, इसको सरकार और विपक्ष पर छोड़ते हैं।

लेकिन अब हमारी निगाहें 22 साल बाद यानी 2047 के विकसित भारत की ओर लगी हैं। वर्तमान अमृत काल खंड सबको आकर्षित कर रहा है। माना कि वह साल हम लोग और हमारी वर्तमान पीढ़ी नहीं देख पाएगी। या जो सौभाग्यशाली होंगे, वो देख पाएंगे। पर भारत को विकसित राष्ट्र बनते हमारे बच्चे देखेंगे और हम उनकी आंखों से देखेंगे। कहना न होगा कि विगत 11 सालों में भारत की गतिशील अर्थव्यवस्था का रास्ता खुद ही नहीं खुला, बल्कि टीम मोदी प्रशासन की अथक तैयारियों के साथ खोला गया है। यदि एपल, स्टारलिंक और टेस्ला जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियां अमेरिका की बजाय भारत में अपना उद्योग लगाना चाहती हैं तो कोई तो बात हुई होगी इन 11 वर्षों में? जबकि कुछ लोगों ने दंगों-फसादों में ही झुलसते रहने का ही ठेका ले लिया है?

आप गौर कीजिए कि आखिर अब ऐसा कौन-सा मोर्चा बचा हुआ है जिस पर भारत मजबूत न हुआ हो? क्योंकि कोई भी देश मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश तभी बनता है जब वह हर मोर्चे पर मजबूत हुआ हो। यही वजह है कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत की मजबूती देखी। भारत के हमलों की मार पाकिस्तान के उस परमाणु भंडार तक पहुंच गई जिसमें अमेरिका और चीन भी अपने अपने परमाणु हथियार रखे हुए हैं। भारत द्वारा 9 आतंकी ठिकाने और 11 एयरबेस उड़ाने की आग जब परमाणु भंडार की तरफ बढ़ी, तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंफ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के पसीने भी छूटने लगे। फिर भारत ने आत्मशक्ति से अर्जित आत्मसंयम की मिसाल भी दुनिया के सामने खड़ी कर दी।

आप जरा गौर कीजिए, बीते कुछ महीनों-सालों में पाकिस्तान में पनवाड़ी से लेकर मोची तक और सिपाही से लेकर सेनाध्यक्ष मुनीर तक सभी परमाणु हमले की धमकी बार-बार दिया करते थे। लेकिन भारत के ब्रह्मोस की रेंज में जब सरगोधा के बाद किराना हिल्स भी आ गई तब अमेरिका तक किस तरह घबरा गया। चीन किस तरह से अमेरिका की चिरौरी करने लगा। वही आक्रमण था जब पाकिस्तानी सेना ने गिड़गिड़ाते हुए सीजफायर की गुहार भारतीय सेना से लगाई।

अच्छा हुआ, वसुधैव कुटुंबकम का पथप्रदर्शक भारत मान गया, लेकिन यदि न मानता तो आज पाकिस्तान का वजूद ही मिट गया होता। उसके बाद चीन अपनी कुटिल चालें चल रहा है। अमेरिका का नेतृत्व पागल की तरह भारत से व्यवहार कर रहा है। लेकिन देखते रहिए, भारत की यह सैन्य शक्ति तथा बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था ही इस महान देश को विकसित राष्ट्र और वैश्विक महाशक्ति बनने के रास्ते पर ले जाएगी।

पशु पक्षी, वनस्पति,जल,जीव, मानव साम्यता के लिए बनो का संरक्षण आवश्यक

अजय दीक्षित

हैदराबाद की एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में बड़े जंगलों से संरक्षित भूमि का व्यावसायिक हितों पेड़ो का काटना शुरू हुआ तो केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने स्वविवेक से आंदोलन शुरू कर दिया। मामला सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर पहुंचा तो सर्वोच्च न्यायालय ने पहले रोक लगाई फिर स्थाई रूप से पेड़ों की कटाई को अवैध ठहरा दिया। ब्राजील में पूरे देश में पेड़ो की कटाई पर नियमित रोक है ।इसी प्रकार यूरोपीय देशों ने भी प्रतिबंध लगा रखे हैं लेकिन भारत में बनो के संरक्षण अधिनियम लचीला है क्योंकि हम बढ़ती जनसंख्या के दबाव में सड़क परियोजना, बांध निर्माण, संस्थाओं की इमारतों, बढ़ते कंक्रीट के जंगलों , निजी आवासीय योजनाओं को बनने से रोक नहीं पा रहे हैं। हालांकि भारत में तीव्र विकास को अभी 35 साल ही हुए हैं। फिर भी भारत में 835000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर बन आच्छादित हैं।यह अकड़ा कुल भारत भूमि 3287235 वर्ग किलोमीटर का 25 फीसदी से अधिक है।विश्व में रूस में सर्वाधिक 800 मिलियन वर्ग किलोमीटर भूमि में बन है जो उसकी कुल भूमि का 52 फीसदी है।

भारत में दो तरह के बन है आरक्षित और संरक्षित। संरक्षित बनो में निर्माण के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से स्वीकृति लेनी पड़ती है। आरक्षित बनो के मामले में राज्य सरकार सक्षम है। बताया जाता है कि भारत सरकार के आंकड़े कहते हैं कि बन 0.70 प्रतिशत की गति से बढ़ रहे हैं। सरकार और एनजीओ ने मिलकर सामाजिक बानगी, डीप फोरेस्टेशन आदि कार्यक्रम बन बढ़ाने के लिए चला रखे हैं लेकिन अवैध बन माफिया कटाई भी खूब कर रहा है।

आज अंतरास्ट्रीय पर्यावरण दिवस है । पर्यावरण संगठन ने विभिन्न स्तरों पर पेड़ लगाने का काम सरकार से मिलकर किया है। पर्यावरण विशेषज्ञ का मत है कि अगर मानव साम्यता ने बनो की अनदेखी की तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का जल स्तर कम होता जायेगा और नदियों में पानी नहीं रहेगा ।भारत में कुछ नदियों को छोड़कर अधिकतर नदियों में बरसात को छोड़कर जल सूख जाता है।गंगा, जमुना,महानदी, गोमती, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, नर्मदा, सिंध, रावी, व्यास, सतलुज,आदि नदियों के किनारे ही मानव साम्यता का जन्म हुआ था।

इन नदियों के डेल्टा में सुंदर बन,जैसे विशाल जंगल श्रृंखलाओं का जन्म हुआ था। पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ स्टैन का मानना है कि जंगल नहीं होंगे तो जल,जीव, मानव, पशु पक्षी, वनस्पति का विकास नहीं होगा । उन्होंने कहा है कि पृथ्वी के आवरण से ओजोन परत को पृथ्वी के बढ़ते ताप क्रम से नुकसान हुआ है और ग्लेशियरों का पिघलना जारी है।यह भी जनसंख्या दबाव के कारण है।इस मामले में यूरोपीय देशों में जनसंख्या दबाव कम है। नॉर्वे फिनलैंड, आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, डेनमार्क आदि में ग्लेशियरों का संरक्षण हो रहा है और वहां बरसात भी 1500 मि मीटर से अधिक है जबकि भारत में मानसून नियमित है तब भी पूरे भारत की औसत बारिश 700 मि मीटर है।

लेकिन अभी भी भारत में बन 25 फीसदी है। क्योंकि अपनी सदाबहार बनो, उष्णकटिबंधीय जलवायु है।उत्तर में हिमालय में घने जंगलों का डेरा है। पूर्वोत्तर भारत की हरीयाली तो पूरे संसार में सबसे अधिक है। लेकिन जहां तक नदियों, झीलों, तलावों का प्रश्न हैं उसमें यूरोपीय देश, चाइना, अमेरिका की ख्याति है। टेम्स, अमेजॉन, नील,नदियों को सर्वोत्तम माना जाता है।

भारत में मप्र सबसे घने जंगलों का प्रदेश है, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, तमिलनाडु, पूर्वोत्तर राज्य असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम हरित क्रांति के जनक हैं।सबसे बुरी हालत राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, ओड़िशा, आंध्र प्रदेश,केरल के है। वर्तमान में उसी देश को विकसित माना जाता है जिसमें जीव जंतु, जानवर, पशु पक्षी सुरक्षित हो । मप्र को टाइगर स्टेट का दर्जा मिला है क्योंकि मप्र में बन अधिक हैं।कूनो पालपुर, बांधव गढ़, कान्हा किसली,शिवपुरी नैशनल पार्क, पचमढ़ी,के बन विश्व प्रसिद्ध हैं।

दूसरों के हाथों में इन चीजों को न रखें

किस्मत छोड़ देती है आपका साथ

वास्तु शास्त्र का महत्व हमारे जीवन में काफी ज्यादा बताया गया है। जब आप वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन सही तरीके से करते हैं तो ऐसे में इसके जो परिणाम होते हैं वे बेहद ही शुभ और समृद्ध होते हैं। वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी नकारात्मक हो सकते हैं। हमारे वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी चीजों के बारे में भी बताया गया है जिन्हें हमें गलती से भी खुद अपने हाथों से दूसरों के हाथों में नहीं देना चाहिए। जब आप इन चीजों की किसी और के हाथों में देते हैं तो आपकी किस्मत तक आपका साथ छोड़ देती है। केवल यहीं नहीं, जब आप इन चीजों को दूसरों के हाथों में देते हैं तो आपका पूरा जीवन गरीबी और दरिद्रता के बीच बीतता है।

दूसरों के हाथों में कभी न दें पीले सरसों

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको गलती से भी दूसरे के हाथ में पीले सरसों को नहीं देना चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो इसका अर्थ होता है कि आप खुद अपने हाथों से मां लक्ष्मी को किसी और के हाथों में सौंप रहे हैं। जब आप ऐसा करते हैं तो आपके जीवन में पैसों से जुड़ी समस्याओं का आना तय है।

दूसरों के हाथों में नमक देने से बचें

मान्यताओं के अनुसार आपको गलती से भी अपने हाथों से किसी और के हाथ में नमक न ही देना चाहिए और ना ही किसी से नमक लेना चाहिए। नमक का इस्तेमाल निगेटिव से लेकर पॉजिटिव चीजों के लिए किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार जब आप किसी से नमक लेते हैं तो ऐसे में आप उनके कर्ज के नीचे हमेशा के लिए दब जाते हैं वहीं, जब आप किसी को नमक देते हैं तो आपको आगे चलकर आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है।

गलती से भी किसी के हाथों में न डालें पानी

प्यासे को पानी पिलाना एक पुण्य का काम होता है लेकिन, आपको कभी भी किसी के हाथों में पानी डालकर उसे नहीं पिलाना चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो इसके नतीजे सिर्फ आपके लिए ही बुरे नहीं होते हैं बल्कि सामने वाले के जीवन में भी काफी बुरा असर पड़ता है। जब आप इस तरह से किसी को पानी पिलाते हैं तो आप दोनों ही कर्ज के बोझ के नीचे दब जाते हैं। हाथों की जगह आपको पानी पिलाने के लिए बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

हाथों में न दें लाल मिर्च

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको गलती से भी कभी किसी के हाथों में अपने हाथ से लाल मिर्च नहीं देनी चाहिए। जब आप ऐसा करते हैं तो आप दोनों के ही रिश्ते खराब हो सकते हैं। अगर आप चाहते हैं कि सामने वाले के साथ आपके

रिश्ते अच्छे बने रहे तो आपको गलती से भी लाल मिर्च अपने हाथों से सामने वाले के हाथों पर नहीं देना चाहिए।

हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व है, खासकर सुहागिन महिलाओं के लिए। यह व्रत पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि की कामना के लिए रखा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता सावित्री ने इसी दिन यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस लाए थे। ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि को यह व्रत मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर वट वृक्ष की पूजा का विधान है, जिसमें कुछ विशेष सामग्रियों का होना बहुत ही आवश्यक है। आइए जानते हैं वट सावित्री पूर्णिमा की पूजा के लिए किन-किन चीजों की जरूरत पड़ेगी और कैसे करें पूजा।

वट सावित्री पूर्णिमा 2025 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार,ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 10 जून को सुबह 11 बजकर 35 मिनट पर होगी और इस तिथि का समापन 11 जून को दोपहर 1 बजकर 13 मिनट पर होगा। ऐसे में, उदया तिथि के अनुसार वट सावित्री पूर्णिमा का व्रत 10 जून 2025, मंगलवार को रखा जाएगा।

वट सावित्री व्रत की पूजा इन चीजों के बिना है अधूरी

पूजा के लिए पीले या लाल रंग की नई साड़ी (शुभ मानी जाती है),बांस का पंखा,कलावा या कच्चा सूत (वट वृक्ष की परिक्रमा के लिए) ,रक्षासूत्र,पानी का कलश (तांबे का लोटा),मिट्टी का दीपक, घी, रुई और बाती, धूप, अगरबत्ती, रोली, कुमकुम, सिंदूर,अक्षत (चावल) हल्दी, चंदन, सुपारी, फूल (लाल या पीले रंग के),फूलमाला, बताशे, नारियल,भीगे हुए काले चने , विभिन्न प्रकार के फल (जैसे आम, लीची, केला आदि),मिठाई,सात प्रकार के अनाज,पान के पत्ते,वट सावित्री व्रत कथा की पुस्तक ,सावित्री और सत्यवान की फोटो या प्रतिमा, पूजा की थाली या टोकरी आदि।

वट सावित्री व्रत का महत्व

वट सावित्री व्रत का महत्व इस बात में निहित है कि यह नारी के त्याग, पतिव्रता धर्म और अदम्य साहस का प्रतीक है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को करने से न केवल पति को दीर्घायु प्राप्त होती है, बल्कि परिवार में सुख-समृद्धि और शांति भी बनी रहती है। वट वृक्ष को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना जाता है, इसलिए इसकी पूजा से त्रिदेवों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। सावित्री पूर्णिमा व्रत सतयुग की एक ऐसी कथा पर आधारित है, जिसमें सावित्री ने अपने तप, श्रद्धा और साहस से अपने पति सत्यवान को यमराज से वापस पाया था। यह व्रत महिलाओं को नारी शक्ति, समर्पण और प्रेम का प्रतीक बनाता है। इस दिन किया गया संकल्प और पूजा संतान, सौभाग्य और लंबी वैवाहिक उम्र का वरदान देती है।

कैसे करें वट सावित्री व्रत की पूजा?

वट सावित्री पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। सोलह श्रृंगार करें। पूजा की सभी सामग्री को एक थाली या टोकरी में सजा लें। यदि घर के आसपास वट वृक्ष न हो, तो आप वट वृक्ष की एक शाखा लाकर भी उसकी पूजा कर सकती हैं। वट वृक्ष के नीचे जाकर स्थान को साफ करें और सभी सामग्री को व्यवस्थित करें। सबसे पहले सत्यवान और सावित्री की प्रतिमा या फोटो स्थापित करें। धूप, दीप जलाएं। रोली, सिंदूर, कुमकुम, अक्षत, चंदन, फूल और माला अर्पित करें।

फल, मिठाई, भीगे हुए चने, नारियल और बताशे का भोग लगाएं। बांस के पंखे से सत्यवान-सावित्री को हवा करें। कच्चे सूत को हाथ में लेकर वट वृक्ष की 7, 11, 21 या 108 बार परिक्रमा करें। हर परिक्रमा पर एक चना वट वृक्ष में अर्पित करते जाएं और सूत को तने पर लपेटते जाएं। परिक्रमा पूरी होने के बाद वट सावित्री व्रत कथा का पाठ करें या सुनें। पूजा के बाद अपनी सास और घर के बड़ों का आशीर्वाद लें। भीगे हुए चने और कुछ सुहाग सामग्री अपनी सास को भेंट करें। व्रत का पारण काले चने से करना चाहिए।

जींस के साथ ट्राई करें लॉन्ग कुर्ती डिजाइन

फैशन की दुनिया का ट्रेंड हर रोज बदलता रहता है। महिलाओं के लिए तो यह किसी एडवेंचर से कम नहीं है। फिर चाहे बात मेकअप की हो, हेयर एक्सेसरीज या फिर नए आउटफिट की, महिलाएं खुद को स्टाइलिश बनाए रखने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। फैशन जगत में हर उम्र की महिलाओं के बीच कुर्तियों का ट्रेंड हमेशा से बना रहा है। हालांकि कोई भी कुर्ती तभी पहनी हुई अच्छी लगती है, जब उसे सही फिटिंग और डिजाइन के साथ कैरी किया गया हो। तो खुद को स्टाइलिश और मॉर्डन लुक देने के लिए आइए जानते हैं जींस के साथ किस तरह के लॉन्ग कुर्ती डिजाइन आजकल ट्रेंड में हैं।

कुर्ते की लंबाई सही रखें

घुटने तक या उससे हल्की नीचे लंबी कुर्ती जींस के साथ पहनी हुई काफी अच्छी लगती है। इस बात का ध्यान रखें कि हमेशा बहुत लंबी या बहुत छोटी कुर्ती पहनने से बचें।

रंग का रखें ध्यान

लंबी कुर्ती को जींस के साथ पहनते समय आप कलर कॉम्बिनेशन का भी खास ख्याल रखें। इसके लिए आपको इस फैशन टिप का खास ध्यान रखना है कि हमेशा हल्के रंग की कुर्ती के साथ गहरे रंग की जींस और हल्के रंग की जींस के साथ गहरे रंग की कुर्ती पहनें। आप चाहे तो कुर्ती के रंग से मैच करता हुआ एक दुपट्टा भी कैरी कर सकती हैं।

कुर्ती का डिजाइन ऐसा चुनें

साइड-स्लिट कुर्ती जींस के साथ पहनी हुई लड़कियों को मॉर्डन और स्टाइलिश लुक देती हैं। जबकि फ्लोरल या एम्ब्रॉयडरी वाली कुर्ती पार्टी या फंक्शन के लिए बेस्ट रहती हैं।

फ्रंट कट कुर्ती

फ्रंट कट कुर्ती मॉर्डन लुक के साथ एक आकर्षक लुक भी देती है। जो आपके स्टाइल को कूल दिखाने में मदद करता है।

चिकनकारी कुर्ती

आप जींस के साथ इस तरह चिकनकारी कुर्ती ट्राई कर सकती हैं। ये कुर्तियां हमेशा फैशन ट्रेंड में बनी रहती हैं। आप इन कुर्तियों को ऑफिस, कॉलेज या फिर ट्रैवल करते समय कैरी कर सकती हैं।

स्ट्रेट लेयर जींस

स्ट्रेट लेयर जींस के साथ आप फ्लेयर्ड कुर्ती, ए-लाइन कुर्ती या स्ट्रेट कट कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। फ्लेयर्ड कुर्ती पहनने से ना सिर्फ आपका लुक अच्छा लगेगा बल्कि जींस के साथ यह पहनने में बेहद आरामदायक भी होती है। बात अगर ए-लाइन कुर्ती की करें तो यह अपने आकर्षक लुक की वजह से फैशन प्रेमियों को काफी पसंद आती है।

लाल मिर्च का अचार

चटनी-अचार न सिर्फ खाने का स्लाद बढ़ाते हैं, बल्कि इनमें पड़े मसाले हेल्थ के लिए भी अच्छे होते हैं। कुछ डिशेज तो ऐसी होती हैं जिनमें अचार के बिना मजा ही नहीं आता। वहीं कई बार सब्जी न होने पर अचार का बड़ा सपोर्ट होता है। यहां तीन पॉप्युलर अचारों की रेसिपीज हैं जिन्हें देखकर आप खुद अचार एक्सपर्ट बन सकती हैं।

लाल मिर्च का अचार

सामग्री: ताजी लाल मिर्च: 100 ग्राम सरसों: 3 चम्मच सौंफ: 1 चम्मच हल्दी पाउडर: 1/4 चम्मच नमक: 1 चम्मच तेल: 5 चम्मच नीबू का रस: 1 चम्मच

विधि: लाल मिर्च को पानी से अच्छी तरह से धोकर साफ और सूखे कपड़े से पोंछकर अच्छी तरह से सुखा लें। मिर्च का ऊपरी सिरा काटकर हटा दें और बीज भी निकाल दें। मिर्च को लंबाई में काट लें। एक बड़े बर्तन में सरसों, सौंफ, नमक, हल्दी पाउडर, नीबू का रस और लगभग आधा तेल डालकर मिलाएं। अब इस मिश्रण में लाल मिर्च डालकर मिलाएं। अब एक मर्तबान लें और उसमें यह अचार डालें। बाकी बचा हुआ तेल भी ऊपर से डालें। अचार को तीन घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। तीन घंटे बाद परांठा आदि के साथ सर्व करें।

दाल को रखें लंबे समय तक फ्रेश

इन टिप्स का करें यूज..

दाल हमारे खाने का अहम हिस्सा है और इसका सेवन लगभग रोजाना होता है। दाल से कई तरह की रेसिपी भी बनाई जाती है। ये पोषक तत्व से भरपूर होते हैं और इनका सेवन हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होता है। अक्सर लोग दाल में घुन और कीड़े लगने की शिकायत करते हैं। घुन और कीड़े लग जाने से ये जल्दी खराब हो जाते हैं और इनका स्वाद भी बिगड़ जाता है। बारिश के मौसम ये समस्या आम है। ऐसे में दाल को लंबे टाइम तक फ्रेश रखने के लिए आप इन टिप्स की मदद ले सकते हैं।

इस तरीका का करें यूज

बरसात में चीजों में नमी आ जाती है। नमी के कारण ही दाल खराब हो जाते हैं। इस परेशानी से बचने के लिए आप दाल को कुछ देर के लिए धूप में सूखा लें।

इस कंटेनर में करें स्टोर

दाल को स्टोर करने के लिए आप साफ और ड्राई कंटेनर का इस्तेमाल करें। इस बात का ध्यान रखें कि जिस जार में आप दाल को स्टोर कर रहे हैं उसमें गीलापन नहीं हो। दाल को डालने के बाद एयर टाईट कंटेनर का ढक्कन को आप बंद कर दें।

इस बात का रखें ध्यान

दाल को स्टोर करने के बाद किसी सूखे जगह में रखें। आप बरसात के दिनों में कम मात्रा में दाल खरीदें। आप एयर टाइट डिब्बे में या जिप लॉक बैग में स्टोर कर के फ्रिज में भी दाल को रख सकते हैं।

इन चीजों का करें इस्तेमाल

अगर आप चाहते हैं कि दाल में कीड़े नहीं लगे तो आप नीम की पत्तियों या फिर तेज पत्ता को डालकर दाल को स्टोर करें। जिस डिब्बे में आप दाल को स्टोर कर रहे हैं तो आप इन पत्तियों को डालें।

स्तनपान कराने के दौरान मीठी चीजें खाएं

महिलाओं की ज़िन्दगी में कई तरह के उतार चढ़ाव आते हैं जो मासिक धर्म आने से शुरू होते हैं और मेनोपॉज तक चलते हैं। इसी के बीच एक समय वह भी आता है जब महिला गर्भवती होती है और एक बच्चे को जन्म देकर उसको स्तनपान कराती है। स्तनपान के दौरान किसी महिला को क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है। क्यूंकि स्तनपान कराने वाली महिला जो भी खाती है उसी के अनुसार बच्चे का विकास होता है, लेकिन क्या महिलाओं को बच्चे को स्तनपान कराने के दौरान मीठी चीजें खानी चाहिए। गुलकंद की बात करें तो क्या इसका सेवन करना चाहिए?

गुलकंद
एक प्राकृतिक पदार्थ है
जिसे स्तनपान के दौरान खाया जा सकता है। इससे
आपकी पाचन शक्ति मजबूत होती है और यह गुलकंद आपके शरीर को शीतलता प्रदान करता है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं को कुछ भी खाने या पीने से पहले अपने डॉक्टर से कंसल्ट कर लेना चाहिए।

स्तनपान के दौरान गुलकंद का सेवन कितना सुरक्षित है?

गुलकंद प्राकृतिक रूप से उपलब्ध एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जिसमे रेचक गुण पाए जाते हैं और यह आपके पाचन तंत्र को ठीक रखता है इसके नियमित सेवन से कब्ज आदि की समस्या नहीं होती है ।स्तनपान कराने वाली महिलाओं को अन्य महिलाओं की तुलना में अधिक ऊर्जा की जरुरत होती है। ऐसे समय में आप गुलकंद का सेवन कर सकती हैं क्यूंकि इसमें प्राकृतिक शुगर पाया जाता है।
गुलकंद में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो तनाव कम करते हैं और आपके दिमाग को शांत रखते हैं इसलिए स्तनपान कराने वाली महिलाओं को गुलकंद का सेवन करना चाहिए। इससे वह शांत और प्रसन्न रहती हैं।

गुलकंद की मात्रा का ध्यान रखें

स्तनपान कराने वाली महिलाओं को गुलकंद का सेवन करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इसकी मात्रा सिमित हो क्यूंकि इसमें प्राकृतिक रूप से काफी चीनी पाई जाती है, जिसका अधिक प्रयोग आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें।

राज संग वायरल वीडियो पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे की एक झलक पाने के लिए फैंस बेताब रहते थे। सोनाली ने अपने करियर में 'सरफरोश' और 'हम साथ साथ हैं' जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। आज भले ही सोनाली भले ही कम प्रोजेक्ट्स में नजर आती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर वो हमेशा ही किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। सोनाली आज भले ही 50 साल की हैं, लेकिन अपनी खूबसूरती में वो आज भी यंग स्टार्स तक को टक्कर देती हैं। उनके लिए आज भी लाखों लोगों का दिल धड़कता है, लेकिन क्या आप जानते हैं एक वक्त सोनाली का नाम कथित तौर पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे के साथ काफी सुर्खियों में आया था।

हाल ही में इन्हीं खबरों को लेकर एक्ट्रेस ने चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, डायरेक्टर गोल्डी बहल के साथ शादी के बाद सोनाली बेंद्रे का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो पॉलिटिशियन राज ठाकरे के साथ नजर आई थीं। इस वीडियो के वायरल होने के बाद लोगों ने यह दावा किया था कि सालों पहले राज ठाकरे भी सोनाली बेंद्रे से शादी करना चाहते थे। दोनों का अफेयर भी चला था। इन खबरों पर रिएक्शन देते हुए सोनाली ने पूरा सच बताया। सोनाली ने हाल ही में अपना इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में जब उनसे उस वीडियो के बारे में पूछा गया, जिसमें दावा किया गया था कि राज को उन पर क्रश है, तो सोनाली ने कहा, 'क्या उन्हें... मुझे इस पर संदेह है और उन्होंने आगे स्पष्ट किया, मैं अपनी बहन से बात कर रही थी जो वहीं मौजूद थी।'

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण का संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से अचानक बाहर होना पिछले दिनों काफी चर्चा में रहा। एक तरफ जहां दीपिका पादुकोण का पक्ष इस बारे में चर्चा का विषय रहा, वहीं दूसरी तरफ संदीप रेड्डी वांगा ने भी दीपिका पादुकोण का नाम लिए बगैर सोशल मीडिया पर खुलकर लिखा। दीपिका के फिल्म छोड़ने और संदीप रेड्डी वांगा की नाराजगी के बीच जिस बात पर सबसे ज्यादा सुर्खियां बनीं, वो थे शूटिंग पर काम के घंटे। अब फिल्म 'बाहुबली' में भल्लालदेव का किरदार निभा चुके एक्टर राणा दग्गुबाती ने इस बारे में अपनी प्रतिक्रिया दी है।द लल्लनटॉप के साथ बातचीत में राणा दग्गुबाती ने कहा, हमें यह समझना चाहिए कि भारत एक विकासशील देश है। हम एक पूरी तरह से विकसित हो चुके मुल्क नहीं हैं। अगर आप प्रति व्यक्ति आय के आधार पर देखेंगे तो हमारी अर्थव्यवस्था शायद दुनिया में 186वें नंबर पर है।

काम के घंटों पर दीपिका-संदीप विवाद पर बोले राणा दग्गुबाती

राणा ने सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए कहा, ₹एक ऐसे देश में जहां 1.8 बिलियन लोग हों और उनमें 70-80 फीसदी महज 100 रुपये प्रतिदिन कमाते हैं, जब हम इसे ध्यान में रखकर सोचते हैं तो हमें समझ आता है कि अभी हमें कितना आगे जाना है। राणा जो कि तेलुगू सिनेमा के काफी मशहूर एक्टर हैं, उन्होंने बताया कि वर्क कल्चर सिर्फ प्रोफेशनल नहीं होता, यह पर्सनल भी होता है। प्रभास के को-स्टार रह चुके एक्टर ने कहा, मैं एक ऐसी इंडस्ट्री से आता हूं जो मद्रास से आई है। जिसमें कुछ परिवार थे और सैकड़ों अन्य लोग जो अपना बोरिया-बिस्तर लेकर दूसरे शहर में आए और काम शुरू किया। तो मेरे लिए यह सिर्फ काम नहीं है, यह एक लाइफस्टाइल है। कैसे सिनेमा के हिसाब से वर्किंग कंडिशन बदल जाती हैं इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा- जैसे महाराष्ट्र में 12 घंटे की शिफ्ट होती है। तेलुगू सिनेमा में 8 घंटे की शिफ्ट होती है।

34 साल के TV एक्टर का प्रोड्यूसर संग था अफेयर!

लगाए छेड़खानी के आरोप, एकता कपूर ने किया था रिश्ते का खुलासा

टेलीविज़न इंडस्ट्री में कई विवाद हुए हैं, जिन्होंने कई लोगों को चौंका दिया है। हमने कई एक्टर और एक्ट्रेसेस को टीवी शो के सेट पर होने वाली समस्याओं के बारे में खुल कर बोलते देखा है। ऐसे ही एक एक्टर की बात आज करने वाले हैं। लोगों को अपने एपिसोड की शूटिंग के दौरान उत्पीड़न, छेड़छाड़ और कई बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ऐसी ही एक घटना सालों पहले हुई थी जिसमें एक लोकप्रिय टीवी एक्टर और एक निर्माता शामिल थे। कथित तौर पर वे डेटिंग कर रहे थे, लेकिन उन्होंने कभी किसी को इस बारे में नहीं बताया। लेकिन बाद में एक्टर ने निर्माता पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया और यह एक बदसूरत लड़ाई में बदल गया।

राम गोपाल वर्मा के साथ विवाद पर आमिर खान ने तोड़ी चुप्पी

1995 में रिलीज आमिर खान, उर्मिला मंतोडकर और जैकी श्रॉफ स्टारर फिल्म 'रंगीला' को ऑडियंस से जबरदस्त रिएक्शन मिला था। शानदार परफॉरमेंस, म्यूजिक और कहानी की वजह से ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। लेकिन इस फिल्म के दौरान कुछ ऐसा हुआ कि डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा और आमिर खान के रिश्ते में दरार आ गई। दोनों का रिश्ता फिर कभी ठीक नहीं हुआ और न ही दोनों ने कभी साथ काम किया। आमिर खान ने दोनों के रिश्ते पर चुप्पी तोड़ी है।

रेडिफ पर बातचीत के दौरान एक फैन ने आमिर से पूछा, राम गोपाल वर्मा और आपके बीच क्या गलत हुआ? वह एक शानदार डायरेक्टर हैं और उनकी दोस्ती आपके लिए फायदेमंद होती!₹ इस पर आमिर ने जवाब दिया, राम गोपाल वर्मा और मेरे बीच कभी दोस्ती नहीं थी और मुझे यकीन है कि मैं उन्हें एक डायरेक्टर के तौर पर याद करूंगा। दरअसल, इस पूरे विवाद की शुरुआत रंगीला के एक सीन को लेकर हुई। राम गोपाल वर्मा ने एक बार कहा था कि उस सीन में वेटर का रोल निभा रहे आर्टिस्ट ने आमिर खान से अच्छी एक्टिंग की। इस बात को मीडिया ने गलत तरीके से पेश कर दिया और ऐसा लगा जैसे डायरेक्टर ने आमिर की एक्टिंग की आलोचना की है। राम गोपाल वर्मा के इस कमेंट से आमिर को ठेस पहुंची। बाद में राम गोपाल वर्मा ने सफाई दी कि उनका बयान सिर्फ एक तकनीकी नजरिए से था, और उनका मकसद आमिर की एक्टिंग पर सवाल उठाना नहीं था।

थिएटर के बाहर 'हाउसफुल 5' का रिव्यू लेने पहुंचे अक्षय

दर्शकों का मिला ऐसा रिएक्शन

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन और रितेश देशमुख की फिल्म 'हाउसफुल 5' का फैंस बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ये फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में अक्षय के साथ बाकी स्टार्स की कॉमेडी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। फिल्म के क्रिटिक्स के भी अच्छे रिव्यू मिले हैं। लेकिन अक्षय कुमार को अपनी फिल्म का रिव्यू जनता के मुंह से खुद जानना था। इसके लिए अक्षय ने एक खास जुगाड़ लगाया। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में अक्षय कुमार किलर मुखौटा पहन कर बांद्रा के एक थिएटर के बाहर 'हाउसफुल 5' देखकर निकल रहे लोगों से अपनी ही फिल्म का रिव्यू लेते नजर आ रहे हैं। अक्षय लोगों से पूछते नजर आ रहे हैं कि उन्हें 'हाउसफुल 5' कैसी लगी। साथ ही एक्टर ने ये भी सवाल किया कि उन्हें फिल्म में किसी एक्टर की एक्टिंग सबसे ज्यादा पसंद आई। इस पर ज्यादातर लोगों ने अक्षय कुमार और फिर नाना पाटेकर का नाम लिया। अक्षय कुमार ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'बस यूं ही मैंने आज बांद्रा में हाउसफुल 5 शो से बाहर आने वाले लोगों का इंटरव्यू लेने के लिए किलर मास्क पहनने का फैसला किया। पकड़े जाने वाला था आखिरी में लेकिन उससे पहले ही भाग गया। मस्त अनुभव।' अक्षय के इस वीडियो पर लोगों के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं।

अमिताभ बच्चन ने टीवी के इस एक्टर के साथ किया था बुरा व्यवहार

टीवी शो 'भाभी जी घर पर है में अनोखेलाल सक्सेना का किरदार निभाने वाले एक्टर सानंद वर्मा को पसंद किया गया है। उनकी अपनी एक अलग तरह की ऑडियंस है। सानंद ने टीवी शोज के अलावा अजय देवगन की रेड जैसी फिल्मों में भी काम किया है। सानंद वर्मा ने अपने एक इंटरव्यू में अमिताभ बच्चन से मुलाकात और काम करने का किस्सा शेयर किया था। साथ ही ये भी बताया था कि कैसे महानायक ने उनके साथ रूड व्यवहार किया था। सानंद वर्मा ने हिंदी रश को दिए एक इंटरव्यू में अमिताभ बच्चन से अपनी दोनों मुलाकातों के बारे में बताया था।

एक्टर ने कहा, "पहली बार जब मैं उनसे मिला बच्चन साहब ने बहुत प्यार और गर्मजोशी से मुझसे बात की। लेकिन दूसरी बार का अनुभव बहुत बुरा था। बच्चन साहब बहुत रूड थे।₹ एक्टर ने बताया था कि जब वो टीवी शो केबीसी के लिए एक प्रोमो शूट करने के दौरान अमिताभ बच्चन से मिले थे। उस समय सुपरस्टार एक्टर अमिताभ ने टीवी के सानंद से अच्छे से व्यवहार किया। इतने अच्छे व्यवहार से एक्टर को लगा जैसे वो अमिताभ के बेटे अभिषेक बच्चन हैं। प्रोमो शूट करने के तीन घंटों तक महानायक ने उनसे बहुत अच्छे से बात की। उन्हें बेटे जैसा महसूस करवाया। लेकिन सानंद की दूसरी मुलाकात बुरी थी। सानंद वर्मा ने जब अमिताभ बच्चन के साथ दोबारा काम किया तो महानायक उन्हें पहचान भी नहीं पाए। और उनके साथ अच्छे से पेश नहीं आए। सानंद वर्मा ने बताया, 'एक ऐड शूट के दौरान वो बच्चन साहब से दोबारा मिले थे। लेकिन इस बार बच्चन साहब बहुत रूड थे। शूटिंग खत्म होने के बाद जब सानंद वर्मा अमिताभ बच्चन साहब से जाकर मिले और कहा,₹मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे दोबारा आपके साथ काम करने का मौका मिला।₹ इसके जवाब में अमिताभ ने सानंद वर्मा की तरफ देखा तक नहीं। वो तब एक तस्वीर को घूर रहे थे। और तस्वीर को घूरते हुए ही, बिना सानंद की तरफ देखे बोले,₹भगवान करे आपको तीसरा मौका मिले।

सलमान खान ने किया फैंस को बकरीद पर विश

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने एक सोशल मीडिया पोस्ट करके अपने फैंस को बकरीद की मुबारकबाद दी है। एक्टर ने अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है और कैप्शन में लिखा- ईद मुबारक। फोटो में सलमान खान क्लीन शेव नजर आ रहे हैं। उनके बेहिसाब फैंस ने कमेंट सेक्शन में पलटकर बॉलीवुड के भाईजान को विश कर रहे हैं, लेकिन इस बीच जिस बात पर लोगों का ध्यान गया वह है सलमान कान का लुक।

सलमान खान फोटो में क्लीन शेव नजर आ रहे हैं, जिसके चलते फैंस काफी कनफ्यूज दिखे। सल हाल ही में सलमान खान अपनी गाड़ी में भारी मूछों के साथ नजर आए थे जिसे उनकी अगली फिल्म का लुक माना जा रहा था। चर्चा थी कि सलमान खान गलवान वैली पर बनने जा रही फिल्म में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे और इसी फिल्म के लिए उन्होंने यह मूछों वाला लुक लिया है। लेकिन क्या वाकई ऐसा है? सलमान खान की इस नई पोस्ट में दिख रहे उनके लुक से तो कुछ और ही बात सामने आती दिख रही है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान खान की पिछली फिल्म सिकंदर खास नहीं चली। सलमान खान की गाड़ी वाले लुक की काफी चर्चा रही थी। किसी ने कहा कि यह उनकी पर्सनल चॉइज है तो किसी ने कहा कि यह गलवान वैली क्लैश पर आधारित उनकी फिल्म के लिए नया लुक है।

जब जॉनी लीवर की बेटी के सामने गंदी हरकत करने लगा था शख्स

बोलीं- सालों तक मर्दों से...

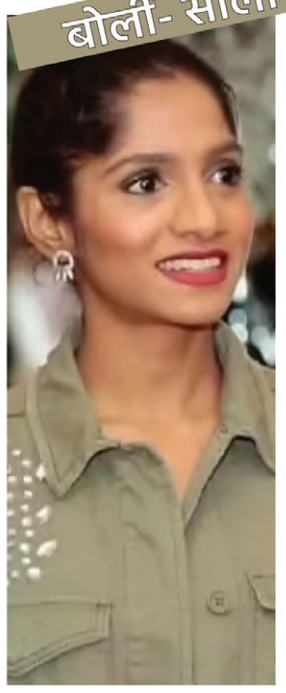

जॉनी लीवर ने हमेशा सबको हंसाया है। आज भी उनके जैसा कॉमेडियन कोई नहीं है और अब उनकी बेटी जेमी भी पिता की लीगेसी को आगे बढ़ा रही हैं। जेमी भी अपनी कॉमेडी और मिमिक्री से सबका दिल जीत लेती हैं। अब जेमी जो हमेशा सबको हंसाती हैं, उन्होंने एक ऐसा किस्सा बताया जिसे वह आज तक नहीं भूल पाई हैं। जेमी ने बचपन का वो डरावना इंसिडेंट बताया जिसके बाद से वह मर्दों से दूर रहती थीं। जेमी ने बताया कि कैसे स्कूल के बाहर एक दिन एक शख्स आया और उनके सामने मास्टरबेट करने लगा। जेमी ने हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मेरे ड्राइवर ने मुझे गाड़ी में बैठने को कहा। मैं बैकसीट पर बैठी थी अपने दोस्त के साथ और हम मेरे भाई का इंतजार कर रहे थे। एक आदमी आया और हमारी गाड़ी के पास खड़ा हो गया।

उसने अपना बॉडी पार्ट निकाला और मास्टरबेट करने लगा। मैं इतना हैरान थी कि मुझे समझ नहीं आया कि क्या हो रहा है। मैं कांप रही थी क्योंकि मुझे लगा वह गाड़ी का दरवाजा खोल देगा। मैंने फिर दरवाजे लॉक किए और जब उसे पता चला कि हम उसे नहीं देख रहे हैं तो वह चला गया।' जेमी ने आगे कहा, 'यह काफी डिस्टरबिंग था। मैं तब 10-12 साल की थी जब ये सब हुआ। मैंने अपने पैरेंट्स को नहीं बातया क्योंकि मुझे पता नहीं था हुआ क्या। मैंने अपने दोस्त से भी डिस्कस नहीं किया क्योंकि हम इतना परेशान थे।' जेमी ने यह भी बताया कि बस कंडक्टर जिनका काम बच्चों को सेफ रखना होता है वह भी कभी-कभी बच्चों को पकड़ते और उन्हें गलत तरीके से टच करते हैं। एक और इंसिडेंट के बारे में बताते हुए जेमी ने कहा, 'एक बार मैं अंधेरी स्टेशन से आ रही थी और एक आदमी ने फिर अपना पार्ट दिखाया। मेरी दोस्त ने मुझे खींचा और कहा कि बस चलती रहो। ये सब चीजें डिस्टर्ब करती है। अब मुझे लगता है कि तब हिम्मत करके मुझे रिएक्ट करना चाहिए था।'

करण जौहर के नए कैंपेन में शेफाली शाह

भारत के प्रमुख ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक त्यानी ज्वेलरी बाय करण जोहर ने अपने नए ब्रांड कैंपेन 'फोर्सेस ऑफ त्यानी' का अनावरण किया है। इस कैंपेन के तहत प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री शेफाली शाह को इस सीरीज़ की पहली ब्रांड एम्बेसडर के रूप में पेश किया गया है। यह कैंपेन कंपनी के लिए एक नया और आत्मविश्वास से भरा अध्याय शुरू कर रहा है। इस अभियान में 10 से अधिक अलग-अलग और विशिष्ट व्यक्तित्वों को ब्रांड एम्बेसडर के रूप में शामिल किया जाएगा। त्यानी ज्वेलरी बाय करण जोहर ऐसे कलाकारों को एक मंच पर लाने जा रहा है, जिन्होंने सफलता की परिभाषा खुद के तरीके से गढ़ी है। हर हफ्ते एक नया चेहरा पेश किया जाएगा और यह अभियान अगले कुछ महीनों तक विभिन्न प्लेटफॉर्म पर आगे बढ़ेगा। 'फोर्सेस ऑफ त्यानी' का पहला लुक शेफाली शाह की दमदार और प्रभावशाली उपस्थिति के साथ सामने आया है। उनके व्यक्तित्व की चमक और आत्मविश्वास को प्रभावशाली स्टोरीटेलिंग के माध्यम से दर्शाया गया है, जो महिलाओं को अपनी शक्ति निडरता से स्वीकारने और व्यक्त करने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने जो क्लासिक त्यानी नेकलेस पहना है—वह सोने में जड़ा हुआ है, कीमती रत्नों से सजा हुआ है, कट और अनकट डायमंड्स से तैयार है—यह एक उत्कृष्ट ज्वेलरी की अभिव्यक्ति है, जो हर महिला की जीवनगति, कहानी और आत्मा से जुड़ती है।

'मैंने प्यार किया फिर से' का हुआ मुहूर्त

पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज़ के चेयरमैन और सिनेबस्टर मैगज़ीन प्रा. लि. के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स अब फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। बतौर निर्माता उनकी हिंदी फिल्म "मैंने प्यार किया फिर से" का मुहूर्त मुंबई में बेहद भव्य अंदाज़ में आयोजित किया गया, जिसमें कई नामचीन हस्तियां शामिल हुईं।

इस खास मौके पर रॉनी रॉड्रिग्स के बेटों, चार्ल्स और काडेन का 11वां जन्मदिन भी भव्य रूप से मनाया गया। होटल सहारा स्टार में आयोजित इस कार्यक्रम में धर्मेंद्र, अरबाज खान, विद्या मालवाडे, उदित नारायण, दिलीप सेन, राजपाल यादव, सोनू बगगड़, गणेश आचार्य, ब्राइट आउटडोर मीडिया के योगेश लखानी, कंगना शर्मा, दीपक तिजोरी, चीता यज्ञेश शेट्टी सहित कई मशहूर हस्तियां मौजूद थीं। कार्यक्रम का शानदार संचालन अभिनेत्री और इन्फ्लुएंसर एकता जैन ने किया। सभी अतिथियों ने चार्ल्स और काडेन को ढेरों शुभकामनाएं दीं, जो किसी राजकुमार की तरह लग रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद मेहमानों का स्वागत फूलों के गुलदस्ते देकर किया गया। रॉनी रॉड्रिग्स ने अपने पुत्र मार्टिन के साथ फिल्म का क्लैप देकर मुहूर्त किया। खास बात यह रही कि रॉनी ने इस फिल्म की

कहानी और गीत भी खुद लिखे हैं। पीबीसी मोशन पिक्चर्स प्रा. लि. के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन साबिर शेख कर रहे हैं। कीर्ति कदम एसोसिएट प्रोड्यूसर, निसार अख्तर लेखक, दिलीप सेन संगीतकार, नौशाद प्रकर डीओपी, मोहन बगगड़ एक्शन डायरेक्टर, हिमांशु झुनझुनवाला एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर और एकता जैन कास्टिंग डायरेक्टर हैं। फिल्म का एक गीत उदित नारायण ने गाया है, जिसे उन्होंने मंच पर लाइव गाकर सुनाया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित 11 वर्ष संकल्प से सिद्धि की जीवंत मिसाल है- भावना बोहरा

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने 9 जून को 11 साल पूरे कर लिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके 11 साल के कार्यकाल में देशवासियों की जिंदगी आसान हुई है। कई बड़े व ऐतिहासिक फैसले, वैश्विक प्रतिनिधित्व, देश की सुरक्षा में ऐतिहासिक उपलब्धियां और देश की प्रगति के साथ ही जनाकांक्षाओं को उन्होंने पूरा करते हुए हमेशा राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे। उनके कुशल नीतियों एवं योजनाओं से ही आज देश के हर व्यक्ति के जीवन में सकारातमक परिवर्तन स्पष्ट दिख रहा है। वहीं आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरी है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 11 सफलतम वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उक्त बातें कही। उन्होने कहा कि यह कालखंड एक राष्ट्रपुरुष की संकल्प, साधना और राष्ट्रभक्ति से गढ़ी गई उस यात्रा की कहानी है, जिसमें भारत ने नारी सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, कृषक उत्थान, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए शिखर छुए हैं। 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से प्रेरित यह अमृतकाल, भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पड़ाव है। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का सफल नेतृत्व करना केवल संकल्प, साधना और राष्ट्रभक्ति से ही संभव है। अमृतकाल के सारथी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नए भारत ने नारी सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, कृषक उत्थान, विरासत के संरक्षण, विकास की गति, सांस्कृतिक पुनरूत्थान, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के निरंतर नए आयाम स्पर्श किए हैं। आज उनके कुशल नीतियों का ही परिणाम है कि हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरी है। आर्थिक क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष तक, भारत हर क्षेत्र में महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है।

पंडरिया विधायक भावना ने 11 वर्षों में देश में हुए ऐतिहासिक परिवर्तन आए हैं वहीं जनहितैषी योजनाओं से आमजनों के जीवन स्तर में सुधार आया है। जन धन योजना, यूपीआई और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों ने भारत को 'पेपरलेस, लाइनलेस और टाइमलेस' बनाते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया है। धारा 370 का उन्मूलन, राम मंदिर का निर्माण, तीन तलाक की समाप्ति और आतंकवाद के विरुद्ध सर्जिकल, एयर स्ट्राइक एवं ऑपरेशन सिंदूर जैसे निर्णायक कदमों ने राष्ट्रीय अस्मिता एवं स्वाभिमान को नए आयाम दिए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से 81 करोड़ लोगों को नि:शुल्क राशन मिल रहा है, 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से स्वच्छ जल की आपूर्ति हो रही है, आवास योजना से 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है, पीएम जनमन योजना से आदिवासी व दूरस्थ अंचलों में निरंतर विकास व अधोसंरचना निर्माण के कार्य आकर ले रहें हैं, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 12 करोड़ शौचालय का निर्माण हुआ है, पीएम स्वनिधि योजना से 68 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को आर्थिक संबल मिल रहा है, मुद्रा योजना से 52 करोड़ से अधिक उद्यमियों को लोन मिला है, महतारी वंदन योजना से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिला, 77 करोड़ आयुष्मान हेल्थ अकाउंट बनाए गए, पीएम विश्वकर्मा योजना से कारीगरों को लाभ मिल रहा है, स्टार्टअप इण्डिया से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा, किसानों को सशक्त बनाने के लिए पीएम किसान सम्मान निधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड से तत्काल ऋण सुविधा, 25 करोड़ से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाए गए, लखपति दीदी एवं ड्रोन दीदी से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया गया। ऐसे कई ऐतिहासिक निर्णय, योजनाएं एवं जनहित के लिए फैसलें इन विगत 11 वर्षों में लिए गए हैं जिसने हर व्यक्त के जीवन में सकारात्मक परिणाम लेकर आए हैं वहीं भारत का वर्चस्व भी विश्व में बढ़ाया है। मैं पुन: माँ भारती और 140 करोड़ देशवासियों को समर्पित सेवा, सुशासन, सशक्तिकरण और अंत्योदय की इस ऐतिहासिक यात्रा के लिए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को उनके दृढ़ एवं समर्पित नेतृत्व के लिए हार्दिक अभिनंदन करती हूँ।

खबर-खास

सूदखोर महिला ने 4 लाख कर्ज के बदले शिक्षक से 40 लाख वसूली

सूदखोरी के जाल में फंसे शिक्षक को पुलिस ने बाहर निकाला

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के पिपरिया थाना के अंतर्गत ग्राम इंदौरी वार्ड 12 निवासी शासकीय शिक्षक राधेलाल डहरिया निवासी वार्ड क्रमांक 12, इंदौरी द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने ग्राम झलमला की निवासी श्रीमती शकुन उर्फ सतनाम खुराना उर्फ सतनाम खुराना पति सतबीर उर्फ लक्की खुराना द्वारा वर्षों से सूदखोरी कर मानसिक, आर्थिक व सामाजिक रूप से प्रताड़ित करने की गंभीर शिकायत दर्ज कराई। पीड़ित शिक्षक राधेलाल ने पुलिस को बताया कि उसने वर्ष 2018 में घरेलू आवश्यकताओं हेतु शकुन खुराना से ?4,00,000 उधार लिया गया था। आरोपी महिला ने अवैध रूप से 10 प्रतिशत मासिक ब्याज वसूली। पीड़ित ने ज़मीन बेचकर, बैंक से लोन लेकर लगभग ?40,00,000 से अधिक की राशि चुका दी। फिर भी आरोपी महिला ने धमकी, अश्लील गाली-गलौज, परिवार को अपमानित करना, तथा झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दे रही थी। एक बार फिर 3 जून 25 को आरोपी महिला अपने पति के साथ पीड़ित के घर पहुंचकर दबावपूर्वक चार हस्ताक्षरित कोरे चेक प्राप्त कर जबरदस्ती साथ ले गई। यही नहीं, पीड़ित के स्कूल में भी पहुँचकर बार-बार फोन के माध्यम से ब्लैकमेल किया गया। पुलिस ने आरोपी महिला के विरूद्ध अपराध क्रमांक 175/2025 अंतर्गत धारा 294, 351 (2), 308 (2) भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम 1937 की धारा 4 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। कबीरधाम पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी परिस्थिति में अवैध सूदखोरों से उधार न लें। यदि धन की आवश्यकता हो, तो अधिकृत बैंक या सहकारी संस्थाओं से ऋण लेना ही उचित विकल्प है। कभी भी किसी को भी हस्ताक्षरित कोरा (ब्लैंक) चेक न दें। अक्सर ऐसे चेक का दुरुपयोग कर लोगों को झूठे मामलों में फंसाया जाता है और उनका मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक शोषण किया जाता है।

36 लीटर अवैध देशी मसाला शराब के साथ आरोपी किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। नया सवेरा अभियान के अंतर्गत गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध रूप से शराब, गांजा तस्करी व बिक्री पर लगाम लगाने एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को दिशा-निर्देश दिये गये थे।जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों के द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय कर लगातार कड़ी कार्यवाही किया जा रहा है।इसी क्रम में 10 जून को जरियें मुखबीर से थाना प्रभारी फिंगेश्वर को सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम बरभांठा आरोपी दुलेश्वर यादू उर्फ मोनू यादू के द्वारा क्षेत्र में दो अलग-अलग सफेद रंग के बोर में 200-200द्ब्य भरा हुआ,*कुल 36.000 बल्क लीटर कीमती 20,000 रूपए है अवैध रूप से अधिक मात्रा मे शराब रखे है।इस सूचना पर थाना से हमराह स्टाफ व गवाहों के साथ मुखबीर के बताये स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर पकड़ कर तलाशी लिया गया।जिसके कब्जे से देशी शराब प्रत्येक में 200-200द्ब्य भरा हुआ, *कुल 36.000 बल्क लीटर कीमती 20,000 रूपए* को अपने कब्जे मे रखा होना पाया गया।आरोपी से बरामद शराब को रखने व बेचने के संबंध मे वैध कागजात/लायसेंस की मांग करने पर आरोपी द्वारा कोई कागजात नही होना बताया। प्रकरण में आरोपी का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत पर भेजा गया।इस कार्यावाही में थाना फिंगेश्वर पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही।

सहायक कलेक्टर दुर्ग को सौंपा गया जनपद पंचायत पाटन का स्वतंत्र प्रभार

दुर्ग/ कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में पदस्थ भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारी श्री पठारे अभिजीत बबन (भा.प्र.से.) सहायक कलेक्टर दुर्ग को जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु सीईओ जनपद पंचायत पाटन का स्वतंत्र प्रभार सौंपा गया है। कार्यालय कलेक्टर दुर्ग से मिली जानकारी अनुसार सहायक कलेक्टर श्री पठारे अभिजीत बबन (भा.प्र.से.) को 09 जून 2025 से 09 जुलाई 2025 तक चार सप्ताह की अवधि के लिए सीईओ जनपद पंचायत पाटन के साथ प्रशिक्षण अभ्यास हेतु संलग्न किया गया है।

पत्रकारों से मारपीट करने वाले चार आरोपियों को चंद घंटों में धर दबोचा

गरियाबंद (समय दर्शन)। सोमवार को थाना राजिम क्षेत्र अंतर्गत पत्रकार प्रार्थी नेमीचंद बंजारे एवं उनके साथी जितेन्द्र सिन्हा,शेख इमरान, थानेश्वर साहू,आदी चक्रधारी के साथ झगड़ा विवाद एवं मारपीट करने की सुचना प्राप्त होने पर आरोपियों के विरुद्ध ब्नह्स् की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा थाना प्रभारी राजिम को आरोपियों उत्तम भारती पिता स्व.आशाराम भारती उम्र 22 वर्ष,मयंक सोनवानी पिता स्व.देवनाथ सोनवानी उम्र 19 वर्ष,चंद्रभान बंजारे उर्फ भानु पिता ईतवारी राम उम्र 27 वर्ष साकिनान पितईबंद थाना राजिम जिला गरियाबंद,शशांक गरड उर्फ शानु रॉव पिता दानी राम रॉव उम्र 23 वर्ष साकिन चंगोराभाठा रायपुर थाना डी.डी. नगर रायपुर जिला रायपुर की तत्काल गिरफ्तारी के संबंध में दिशा निर्देश दिया गया था।जिसके परिपालन में थाना प्रभारी राजिम के द्वारा थाने में पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की पता तलाश किया गया,पता तलाश दौरान चारों आरोपियों की रायपुर की तरफ भागने की सुचना पर तत्काल ह्लद्गड्डद्व रवाना किया गया.जहाँ आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया. आरोपियों के विरुद्ध पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है।वही

जिला प्रशासन द्वारा भी अवैध रेत परिवहन की शिकायत पर चैन माउंटेन गाड़ी एवं हैवा गाडी को जप्त किया गया है।

शिविर में 28 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया

दुर्ग (समय दर्शन)/ कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में निवासरत ऐसे दिव्यांगजन जिन्होंने अभी तक दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बनवाया था तथा ऐसे दिव्यांगजन जिसका प्रमाण पत्र बना हुआ है किंतु उक्त प्रमाण पत्र की वैधता समाप्त हो चुकी है, के लिए उनकी सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जिला कार्यालय समाज कार्यालय विभाग दुर्ग एवं जिला चिकित्सालय दुर्ग के समन्वय से 10 जून 2025 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ग्राम पंचायत अंजोरा (ख) विकासखण्ड दुर्ग में दिव्यांगजन प्रमाणीकरण/चिन्हांकन / मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया।

उप संचालक समाज कल्याण विभाग से मिली जानकारी अनुसार आयोजित शिविर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से कुल 28 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया तथा उपस्थित दिव्यांगजनों का परीक्षण जिला चिकित्सालय दुर्ग के चिकित्सक अस्थिबाधित विशेषज्ञ डॉ. आर. के. नायक, नेत्र बाधित विशेषज्ञ डॉ. बी.एन. वाहने तथा श्रवण बाधित विशेषज्ञ डॉ. रेणु तिवारी द्वारा परीक्षण किया गया। शिविर में सुश्री प्रिया साहू, जिला पंचायत सदस्य एवं ग्राम पंचायत अंजोरा (ख) के सरपंच श्री संतोष सारथी उपस्थित रहे। साथ ही क्षेत्र के जनपद पंचायत सदस्य श्री किशोरी देशमुख एवं श्रीमती संगीता माखन साहू तथा उपसंचालक समाज कल्याण के शिविर प्रभारी श्री जंतराम ठाकुर व अन्य पंचगण एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहें।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 13 जून को

दुर्ग/ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र मालवीय नगर चौक दुर्ग में 13 जून 2025 को प्रात: 10.30 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट केम्प में एम/एस पलक ट्रेडिंग के कुल 49 रिक्त पदों हेतु भर्ती की प्रक्रिया की जाएगी। जिसमें सोलर सिस्टम इंटीजिरेटर के 20 पद, मैकेनिकल इंजीनियर के 02 पद, सोलर सिस्टम इंस्टॉलेशन के 15 पद, हेल्पर के 10 पद तथा ऑटोकैड सॉफ्टवेयर ऑपरेटर के 02 पद हैं। उक्त सभी पदों हेतु वेतन 10000 रूपए से 25000 रूपए तक है तथा आई.टी.आई (फिटर/इलेक्ट्रीशियन), बी.टेक/डिप्लोमा मैकेनिक,10वीं, 12वीं एवं कोई भी स्नातक शैक्षणिक योग्यता धारी आवेदक उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित हो सकतें है। इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण/अंकसूची, पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र/आधार कार्ड/पैन कार्ड/ड्राइविंग लाइसेंस/राशन कार्ड), रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्र, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र समस्त दस्तावेजों की (छायाप्रति) के साथ प्लेसमेंट/रोजगार मेला में उपस्थित हो सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को नि :शुल्क आवासीय प्रशिक्षण

दुर्ग/ बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग भारत सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण संस्थान है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। आरसेटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवक-युवतियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार विकास को सुगम बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आत्म-उत्पादकता, सशक्तिकरण, कौशल विकास, उद्यमिता, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के बारे में शिक्षण प्रदान किया जाता है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु संस्थान द्वारा दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को नि:शुल्क आवासीय (भोजन व्यवस्था के साथ) प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण हेतु ग्रामीण क्षेत्र के 18 से 45 वर्ष के युवक/युवतियों से आवेदन आमंत्रित किया गया है। आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, राशन कार्ड, नरेगा जॉब कार्ड, पासपोर्ट फोटो, मार्कशीट की छायाप्रति लाना अनिवार्य होगा।

निदेशक बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से प्राप्त जानकारी अनुसार 12 जून 2025 से कम्प्यूटर हार्डवेयर नेटवर्किंग (45 दिन), 18 जून 2025 से मोबाईल रिपेयरिंग (30 दिन) तथा 23 जून 2025 से फोटोग्राफी एवं विडिओग्राफी (31 दिन) प्रशिक्षण दिया जाएगा।

साझा मंच ने सभी 33 जिलों में भ्रष्ट अधिकारियों की दस्तावेज सहित खोली पोल

रायपुर (समय दर्शन)। युक्त युक्तिकरण में हुए व्यापक धांधली, अनियमितता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और प्रशासनिक दादागिरी के खिलाफ आज प्रदेशभर के शिक्षकों का गुस्सा सड़क पर दिखा।

प्रदेश संचालक जाकेश साहू ने बताया कि शिक्षक साझा मंच छत्तीसगढ़ ने आज राज्य के सभी 33 जिला मुख्यालयों में मुख्यमंत्री के नाम सभी जिला कलेक्टरो को ज्ञापन सौंप कर युक्तयुक्तिकरण में हुए व्यापक भ्रष्टाचार, अनियमितता, भाई-भतीजाबाद एवं धांधली के आरोपी सभी डीईओ एवं सभी बीईओ को बर्खास्त कर उन पर धोखाधड़ी एवं शिक्षकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने के आरोपो में एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने की मांग की है। शिक्षक साझा मंच के सभी 23 प्रदेश संचालकों ने आज बलरामपुर से लेकर सुकमा तथा राजनांदगांव से लेकर महासमुंद तक सभी जिलों में अधिकारियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार की पूरे प्रमाणित दस्तावेजी साक्ष्य सहित पोल खोल कर रखा तथा सभी जिलों में रैली निकालते हुए राज्य सरकार, जिला प्रशासन एवं सभी भ्रष्ट्र विभागीय अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

बस्तर संभाग के कोंडागांव जिले में बस्तर टाइगर प्रदेश संचालक केदार जैन ने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ सिंह गर्जना करते हुए विसंगतिपूर्ण युक्तयुक्तिकरण को तत्काल रद्द करने की मांग की। यहां सभी जिला संचालकों के साथ शिक्षक नेता केदार जैन ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर युक्तियुक्तकरण को तत्काल रद्द कर 2008 का सेटअप लागू करने की मांग की।

इसी प्रकार बिलासपुर में प्रदेश संचालक मनीष मिश्रा, संजय शर्मा और भूपेंद्र बनाफर ने मांगों के संदर्भ में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन की इसी जिला कड़ी में राजधानी रायपुर जिला मुख्यालय में प्रदेश संचालक वीरेंद्र दुबे एवं राजनारायण द्विवेदी ने अपने साथी शिक्षकों के साथ कलेक्टर परिसर में नारेबाजी करते हुए संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

दुर्ग जिले में साझा मंच के प्रदेश संचालक विकास राजपूत, जाकेश साहू, धर्मदास बंजारे एवं विष्णु प्रसाद साहू की अगुवाई जिले के शिक्षकों ने स्थानीय राजेंद्र पार्क में एकत्रित होकर सबसे पहले संबंधित सभी पीड़ित शिक्षकों से उनकी समस्याएं सुनी, सभी से आवेदन लिया गया, फिर मुख्यमंत्री के नाम स्थानीय कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया।

इसी प्रकार कोरबा में गिरीश केशकर, कवर्धा में कमलदास मूरचले, सारंगढ़ में लैलूंन कुमार भरद्वाज, प्रदीप कुमार लहरे, मोहला में शंकर साहू, बलौदाबाजार में विक्रम राय, चेतन बघेल, इसी प्रकार प्रदेश संचालक प्रदीप पांडे, भूपेंद्र गिलहरे, अनिल टोप्पो आदि ने अलग-अलग जिलों में रैली का नेतृत्व करते हुए ज्ञापन सौंपा।

//न्यायालय विवाह अधिकारी एवं अपर कलेक्टर दुर्ग (छत्तीसगढ़)//

क्रमांक/ 380 / प्रस्तुतकार/विवाह अध./2024-25 दुर्ग, दिनांक 28/05/2025

फार्म-अ

सार्वजनिक सूचना
(विषय-6 देखिये)

सर्व साधारण को जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि आवेदक फिरोज कुमार एक्का पिता सुखदेव एक्का निवासी वार्ड नं 57 हरी नगर दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) 491001 आवेदिका माधुरी बरवा पिता जाजरूम बरवा निवासी वार्ड न. 5 गाम खरवाटोली लठबोरा, जशपुर लठबोरा (छ ग)
द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अंतर्गत अपने विवाह के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तावित विवाह के आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 10/07/2025 के पूर्व निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।
निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा यह शून्य माना जावेगा।
आज दिनांक 28/05/25 को मेरे हस्ताक्षर हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी।

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

नाम परिवर्तन

मैं अनिल कासलीवाल (**Anil kasliwal**) पिता मनि लाल कासलीवाल, उम्र 70 वर्ष, पता-दुकान क्रमांक 52 सेक्टर 7 मार्केट सेक्टर 7 सिविक सेंटर भिलाई तहसील एवं जिला दुर्ग (छ.ग.) में निवासरत, मेरे आधार कार्ड एवं मेरे पैन कार्ड में मेरा नाम अनिल कासलीवाल (**ANIL KASLIWAL**) दर्ज है।

मेरे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर प्रमाण पत्र जिसका पंजीकृत फोलियो नं. 045074714 3 सर्टिफिकेट नंबर- 62499245 हैं उसमें मेरा नाम अनिल जैन (**Anil Jain**) दर्ज है। मेरे रिलायंस एनर्जी के शेयर प्रमाण पत्र जिसका पंजीकृत फोलियो नं. 102456513 सर्टिफिकेट नंबर-015745651 हैं उसमें मेरा नाम अनिल कुमार जैन (**Anil Kumar Jain**) दर्ज है। मेरे आधार कार्ड एवं पैन कार्ड में दर्ज मेरा नाम अनिल कासलीवाल (**ANIL KASLIWAL**) तथा मेरे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर प्रमाण पत्र में दर्ज मेरा नाम अनिल जैन (**Anil Jain**) एवं मेरे रिलायंस एनर्जी के शेयर्स के दस्तावेज में दर्ज मेरा नाम अनिल कुमार जैन (**Anil Kumar Jain**) यह तीनों नाम एक ही व्यक्ति के अर्थात मेरा नाम है। मेरे द्वारा अपना पुराना नाम अनिल जैन (**Anil Jain**) एवं अनिल कुमार जैन (**Anil Kumar Jain**) को बदलकर अपना नाम अनिल कासलीवाल (**ANIL KASLIWAL)** रख लिया है। जिस हेतु मुझे गजट प्रकाशन करवाने की आवश्यकता है।मेरे समस्त शासकीय एवं अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम अनिल जैन (**Anil Jain**) एवं अनिल कुमार जैन (**Anil Kumar Jain**) से बदलकर अपना नाम अनिल कासलीवाल (**ANIL KASLIWAL**) दर्ज करने तथा पढ़ा जाने हेतु यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

//न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन, तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)//

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र. 202407104500004 अ-27 वर्ष 2023-24 पक्षकार वासुदेव विरुद्ध धर्मपाल ग्राम कानाकोट

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम कानाकोट प.ह.नं. 28 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक वासुदेव यादव पिता स्व. मेहर्राम यादव निवासी ग्राम कानाकोट तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा धारा 178 के तहत खाता विभाजन आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम कानाकोट प.ह.नं. 28 रा.नि.मं. सेलूद तहसील पाटन जिला दुर्ग में भूमिस्वामी आवेदक एवं अनावेदक धर्मपाल यादव पिता स्व. मेहर्राम यादव निवासी ग्राम कानाकोट तहसील पाटन जिला दुर्ग के नाम पर शामिलात खाता में खसरा नंबर 537/1, 817/1, 1092 रकबा कमश: 0.08, 0.11, 2.82 है. कुल खसरा नंबर 03 कुल रकबा 3.01 हे. कृषि भूमि स्थित है। उभय पक्ष के मध्य पूर्व में किसी प्रकार का पारिवारिक आपसी बंटवारा नहीं हुआ है। अत: उक्त भूमि से आवेदक के हक हिस्से व अंश का बंटवारा कर खाता विभाजन किये जाने हेतु विचाराधनी प्रकरण हल्का पटवारी द्वारा प्रस्तुत फर्द अनुसार बंटवारा हेतु नियत है। उक्त पटवारी फर्द संलग्न है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 30.04.2025 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुदा से आज दिनांक 16.04.2025 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन जिला-दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

// न्यायालय तहसीलदार अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.) //

//उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र./202506104000026/अ-74/वर्ष 2024-25

ग्राम खासाडीह प.ह.नं. - 05

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक/आवेदिका लता मारकण्डे पति ईश्वर सिंह मारकण्डे, निवासी वार्ड क्रमांक 03 अहिवारा, तहसील अहिवारा व जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया है कि मौजा ग्राम खासाडीह, प.ह.नं. 05, तहसील अहिवारा जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नंबर 626/4, 626/5 रकबा क्रमश: 0.07, 0.09 हे0 भूमि वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदिका लता मारकण्डे पति ईश्वर सिंह मारकण्डे के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त आवेदित भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि का नक्शा बटांकन नहीं हुआ है। उक्त भूमि का नक्शा बटांकन करने हेतु निवेदन कर आवेदन के समर्थन में, वर्तमान बी-1, नक्शा, खसरा, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज संलग्न कर प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव इस आवेदन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति, दावा हो तो स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में पेशी दिनांक 27/06/2025 को या उसके पूर्व कार्यालयीन दिवस को लिखित में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 09/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील-मुहर से जारी किया गया है।

पेशी दिनांक: 27/06/2025
जारी दिनांक : 09/06/2025

तहसीलदार
अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

संक्षिप्त-खबर

आंगनबाड़ी केंद्र को पार्षद ने भेंट किया कुर्सी, अब टीकाकरण में नहीं होगी परेशानी, स्वास्थ्य विभाग ने जताया आभार

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन के वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद वीरेंद्र कौशिक ने नगर के आंगन बाड़ी केंद्र क्रमांक 8 को चार नग कुर्सी प्रदान किया है। बता दे कि कुर्सी नहीं होने से खासकर टीकाकरण के दिन हितग्राहियों को बहुत परेशानी होती थी। वही स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी बैठने के लिए जगह नहीं मिलता था। आंगन बाड़ी को कुर्सी मिल जाने से ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस में आने वाले बच्चों एवं माताओं को सुविधा मिलेगी।

लक्ष्मीकांत भास्कर ने जर्जर सड़कों से राहत दिलाने की उठाई आवाज, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

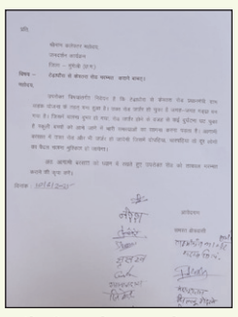

मुंगेली(समय दर्शन) जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर सड़कों की समस्या से परेशान नागरिकों के लिए राहत की उम्मीद जगाते हुए ज़िला पंचायत सदस्य लक्ष्मीकांत भास्कर ने आज जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान मुंगेली कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में टेढ़ाघौर से केस्तरा तक की सड़क की तत्काल मरम्मत की मांग की गई है।

ज्ञापन में बताया गया कि यह सड़क प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी थी, लेकिन अब यह पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह गड्ढों के कारण राहगीरों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और वाहन चालकों के लिए यह मार्ग जानलेवा साबित हो रहा है, क्योंकि यहां कई दुर्घटनाएं पहले ही हो चुकी हैं।

लक्ष्मीकांत भास्कर ने चेतावनी दी कि यदि इस सड़क की मरम्मत बरसात से पहले नहीं कराई गई, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द इस सड़क की मरम्मत का काम शुरू करने की अपील की है, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सके। ग्रामीणों का आक्रोश भी इस मुद्दे को लेकर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। जनता को आशा है कि जिला प्रशासन इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र कदम उठाएगा और सड़क की मरम्मत का कार्य जल्दी शुरू करेगा।

केदारनाथ यात्रा के दौरान दुर्ग के युवक विजय भारद्वाज की मौत, देर रात तक विमान से दुर्ग पहुंचेगा उनका पार्थिव शरीर

दुर्ग । जवाहर नगर निवासी एवं जीएसटी कार्यालय में सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदस्थ विजय सिंह भारद्वाज 34वर्ष का आकस्मिक निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 11 जून को प्रातः 11 बजे उनके निवास स्थान से हरनाबांधा मुक्तिधाम के लिए रवाना होगी। वे ट्रेज़री आफिसर मुकुंद सिंह भारद्वाज के पुत्र एवं शिक्षक नगर निवासी संजय सिंह, ईश्वर सिंह राजपूत के भतीजे थे। बता दें कि विजय सिंह भारद्वाज अपने मित्रों के साथ 9 जून को केदारनाथ धाम उत्तराखंड दर्शन के लिए गए हुए थे। बाबा के दर्शन के पश्चात अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई। उन्हें ईलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका पार्थिव शरीर उत्तराखंड से एयर प्लेन में 10 जून को देर रात जवाहर नगर दुर्ग पहुंचेगा। तत्पश्चात 11 जून उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। स्व. विजय सिंह भारद्वाज के निधन पर शिक्षक नगर युवा विकास समिति, जवाहर नगर गृह निर्माण समिति, राजपूत समाज के पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों द्वारा शोक व्यक्त किया गया है। इस घटना के सामने आने के बाद राजपूत परिवार में मातम का माहौल पसरा हुआ है। लोग शोक संतप्त परिवार को ढांढस बांधने लगातार उनके घर पहुंच रहे है।

समय-सीमा की बैठक में शहीद आकाश राव को दी गई श्रद्धांजलि

- जिला प्रशासन ने 2 मिनट का मौन रखकर जताया सम्मान

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिला कार्यालय में आज आयोजित समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक की शुरुआत शहीद श्रद्धांजलि से की गई। बीते दिनों सुकमा जिले में नक्सली हमले में शहीद हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश राव गिरीपुंजे को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद अधिकारी के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एस. आलोक, अपर कलेक्टर श्री रवि साहू, डिप्टी कलेक्टर श्री रविराज ठाकुर, एवं जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीईओ श्री एस. आलोक ने कहा कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरीपुंजे जैसे जांबाज पुलिस अधिकारियों की शहादत को देश कभी भुला नहीं सकता। वे युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए दिया गया उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि शहीद आकाश राव बतौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महासमुंद जिले में अपनी सेवाएं देकर जन मानस में अपने कार्यशैली,व्यवहार और व्यक्तित्व से अमिट छाप छोड़ी है।

करोड़ों की सरकारी जमीन पर कब्जा

- प्रशासन हरकत में आया

बसना (समय दर्शन)। बसना से महज 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गढ़फुलझर, बसना क्षेत्र का अहम कस्बा है। क्षेत्र के हृदय स्थल पर स्थित करोड़ों रुपये की शासकीय भूमि पर वर्षों से चल रहे अवैध कब्जे का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई की ओर बढ़ रहा है।

इस बहुमूल्य जमीन पर विजय पांडे नामक व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से मकान, दुकान और गोदाम का निर्माण कर न केवल कालाबाजारी की जा रही थी, बल्कि शासन-प्रशासन को भी करोड़ों का नुकसान पहुंचाया जा रहा था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित द्वारा इस अवैध कब्जे की शिकायत कई वर्षों से तहसीलदार, एसडीएम और कलेक्टर स्तर तक की जा रही थी। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई थी, जिससे निराश होकर पीड़िता ने एक बार फिर बसना अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी मनोज खाण्डे को आवेदन सौंपा। अधिकारी ने गंभीरता से संज्ञान मे लेते हुए त्वरित जांच के निर्देश दिए और 09 जून 2025, सोमवार को राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी की टीम को मौके पर भेजा गया।

टीम द्वारा किए गए सीमांकन (नाप-तौल) में स्पष्ट रूप से पाया गया कि, विजय पांडे ने शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण कर रखा है। जांच प्रतिवेदन अब उच्च अधिकारियों को सौंपा गया है, और आगे की कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

लंबे समय से शिकायत, अब जागा प्रशासन- यह भूमि, जिसकी वर्तमान बाजार दर करोड़ों में आंकी गई है, गढ़फुलझर के मुख्य इलाके में स्थित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले 10 वर्षों से यह अवैध कब्जा प्रशासन की आंखों के सामने फल-फूल रहा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। क्षेत्रवासी अब मांग कर रहे हैं कि इस प्रकार के मामलों में तत्काल और सख्त कार्रवाई की जाए।

सरकारी जमीन पर कब्जा — क्या कहता है कानून?- सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा एक दंडनीय अपराध है। इसे हटवाने की प्रक्रिया इस प्रकार होती है:

शिकायत दर्ज करना: पीड़ित संबंधित राजस्व विभाग या ऑनलाइन पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर सकता है।

जांच: अधिकारियों द्वारा जमीन की मिल्कियत और कब्जे की वैधता की जांच होती है।

सीमांकन: अवैध कब्जा स्पष्ट करने के लिए जमीन का सीमांकन किया जाता है।

कार्रवाई: कब्जा प्रमाणित होने पर नोटिस दिया जाता है। अनुपालन न करने पर अतिक्रमण हटाने की कानूनी कार्रवाई होती है।

अदालती विकल्प: ज़रूरत पड़ने पर पीड़ित विशेष सिविल कोर्ट में विशिष्ट राहत अधिनियम, 1963 की धारा 5 और 6 के अंतर्गत केस दर्ज करा सकता है।

विशेष सुझाव- शिकायतकर्ता सभी दस्तावेज़, फोटो व वीडियो साक्ष्य सुरक्षित रखें।

ज़रूरत पड़ने पर वकील की मदद लें- अगर कब्जा गंभीर स्थिति पैदा कर रहा है, तो स्थानीय पुलिस की मदद भी ली जा सकती है।

निष्कर्ष- गढ़फुलझर की यह घटना एक चेतावनी है कि अगर समय रहते प्रशासन सक्रिय न हो, तो सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग कैसे माफ़ियाओं के हाथों में चला जाता है। अब देखना होगा कि सीमांकन के बाद प्रशासन इस अवैध कब्जे को हटाने की दिशा में कितनी तेजी और पारदर्शिता से कदम उठाता है।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही

- 30 लीटर कच्ची शराब, स्कूटी सहित दो आरोपी गिरफ्तार

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद कलेक्टर विनय कुमार लंगेह एवं उपायुक्त आबकारी, उ.द. रायपुर संभाग अनिमेष नेताम के निर्देशानुसार, जिले में अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त आबकारी प्रकाश पाल एवं अनुविभागीय दंडाधिकारी बसना मनोज खांडे के विशेष मार्गदर्शन में आज मंगलवार को आबकारी विभाग द्वारा वृत्त बसना अंतर्गत अहम कार्यवाही की गई। ग्राम अखराभाठा टुकड़ा निवासी सूरज बारीक के कब्जे से 30 बल्क लीटर हाथ भट्टी कच्ची शराब एवं शराब परिवहन में प्रयुक्त टीवीएस स्कूटी जूपिटर (कीमत ?1,06,000) जब्त की गई। वहीं, ग्राम बेलडीही पाठर निवासी चंद्रमणि मिरि के कब्जे से 15 बल्क लीटर कच्ची शराब (कीमत 3,000) बरामद की गई। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 46(1), 46(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

इस कार्रवाई में ग्राम बेलडीही पाठर के ग्रामीणों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। अभियान में आबकारी वृत बसना प्रभारी दरसराम सोनी, आबकारी उपनिरीक्षक साकरा वृत्त प्रभारी एच.के. त्रिपुड़े, पिथौरा वृत्त प्रभारी मिर्जा जफ़र बेग, एवं प्रधान आरक्षक राज किशोर पांडे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध यह अभियान आगे भी सतत रूप से जारी रहेगा।

डौंडीलोहारा पुलिस ने हत्या की गुत्थी को चंद घंटे में सुलझाया

बालोद। थाना डौंडीलोहारा को मंगलवार को लगभग 2:30 बजे सूचना मिली कि देसी विदेशी मदिरा शॉप डौण्डीलोहारा के पास एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है सूचना पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर थाना स्टाफमौके पर रवाना हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालोद योगेश पटेल ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर द्वारा तत्काल घटनास्थल को सुरक्षित रखने एवं आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में निर्देश दिया गया। एसडीओपी बालोद देवांश सिंह राठौर के नेतृत्व में घटनास्थल को प्रिजर्व कर चश्मदीद गवाहों से पूछताछ कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया।

पूछताछ करने पर यह तथ्य सामने आया कि मृतक विजय बघेल पिता स्वर्गीय खोलबहरा बघेल उम्र 40 वर्ष राजा पारा डौंडीलोहारा शराब भट्टी के पास बैठा हुआ था आरोपी जालम आमदो पिता मनराखनलाल आमदो ,उम्र 31 वर्ष भालूकोनहा ,थाना डौंडीलोहारा शराब लेने आया था इसी दौरान दोनों के मध्य शराब पीने की बात को लेकर विवाद हुआ विवाद बढ़ने पर नजदीक में ही रखे लोहे के चौकोर पाइप से आरोपी ने मृतक के सिर पर वार कर दिया जिससे मृतक की मौके पर मृत्यु हो गई । उक्त घटना की सूचना पर थाना डौंडीलोहारा में अपराध कायम कर धारा 103 बीएनएस के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी डौंडीलोहारा मुकेश सिंह ,सहायक उप निरीक्षक अनित यादव ,लक्ष्मण नौरंग, प्रधान आरक्षक दिगंबर यादव, अरविंद यादव, थाने के स्टाफका महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

पत्रकारो ने किया बार नयापारा अभ्यारण का भ्रमण, पर्यटकों से किये संवाद

पिथौरा(समय दर्शन)। श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष स्वप्निल तिवारी के नेतृत्व में व ब्लाक अध्यक्ष मनोहर साहू की अगुवाई में पत्रकारो के दल ने छतीसगढ़ के सबसे बड़े अभ्यारण का किया भ्रमण भ्रमण के दौरान मिले पर्यटकों व ग्रामीणों से किया सीधा संवाद। ग्रामीणों ने बताया की देश के कोने कोने से पर्यटक तो यहाँ हर वर्ष पहुचते ही है साथ ही विदेशी पर्यटक भी यहाँ पहुचते है।अभ्यारण में बड़ी संख्या में काला हिरण .हिरण. वन भैसा. बारा सिंघा. नीलगाय.मयूर .भालू .तेंदुवा.सांभर गौर .साही सहित अन्य जंगली जानवर पर्यटकों के लिये आकर्षण का केंद्र रहते है।

पर्यटन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर बार नयापारा अभ्यारण की अपनी एक अलग पहचान है 245 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले इस अभ्यारण्य में जंगली जानवरो के लिये तालाब के निर्माण किए गए है जिसमे सौर ऊर्जा से चलने वाले बोर से पानी का भराव किया जाता है।वही जंगली जानवरो के चारा भोजन के लिये विभिन्न प्रजातियों के पेड़ व घास भी लगाए गए है।

पर्यटकों के लिए घूमने खाने व रुकने के लिये आनलाईन व आफ्लाइन बुकिंग की सुविधा वन विभाग द्वारा रखी गई है भ्रमण के दौरान सम्पूर्ण जानकारी के लिये साथ में गाइड रह कर जानवरो व स्थलो की जानकारी पर्यटकों को देता है।

भ्रमण में श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष स्वप्निल तिवारी ब्लाक अध्यक्ष मनोहर साहू नंदकिशोर अग्रवाल राजेन्द्र सिंहा निशु माटा ताराचंद पटेल राजेश मिश्रा विजय गुप्ता विकास शर्मा ललित मुखर्जी सुरेंद्र पांडे मानराखन ठाकुर राजेश बंसल भूषण साहू सौरभ अग्रवाल नानू सोनी मुख्य रूप से शामिल थे ।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष युवा विधायक देवेन्द्र यादव होंगे?

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी में नये प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए प्रदेश व देश के कांग्रसी नेताओं के बीच चर्चा का दौर शुरू हो चुका है। जल्द ही छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी को नया अध्यक्ष प्राप्त हो जायेगा, जैसा कि अखिल भारती कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जून खड़के कांग्रेस कमेटी में नई जान फूंकने के लिए लगातार बैठकें कर रहें हैं। श्री गांधी व खड़के जी ने नेताओ व कार्यकर्ताओं से आव्हान किया है वे कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान करने सभी नेता एकजुट हो कर कार्य करे। इस हेतु कांग्रेस हाईकमान ने कई राज्यो में कांग्रेस नेतृत्व में परिवर्तन किया है और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मे भी नई नियुक्तिया की गई हैं। इसी क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को महामंत्री व पंजाब प्रदेश कांग्रेस प्रभारी और भिलाई विधायक युवा कर्मठ नेता देवेन्द्र यादव को सचिव पद पर नियुक्ति की गई। जहां तक छत्तीसगढ़ कांग्रेस में सक्रिय, कर्मठ, डर्जावान नेतृत्व की तलाश में भी तमाम नेतागण लगे हुए है। इसमें जहां तक कई नेतागण दौड़ में लगे हुए हैं, जिसमे प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री शिवकुमार डहरिया, पूर्व मंत्री कवासी लखमा, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के करीबी पूर्व प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री पूर्व खनिज निगम के अध्यक्ष व राजनांदगाव से कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ चुके गिरीश देवांगन भी दावेदार है। इन दावेदारो में पूर्वमंत्री कवासी लखमा जो इन दिनो शराब घोटालो के आरोप में जेल मे है। इसके चलते उनका नाम इस दौड़ से बाहर हो गया है, और दुसरी ओर पूर्वमंत्री शिव डहरिया व अमरजीत भगत का नाम पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की गुटबाजी के शिकार हो रहे हैं, जहा एक समय अमरजीत भगत, टीएस सिंहदेव के करीबी माने जाते थे लेकिन मंत्री पद पर आसीन रहने हेतु वे भूपेश बघेल के करीबी हो गये। इसके चलते उन्हें टीएस सिंहदेव के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैच का हटना तय हैं क्योंकि उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में कांग्रेस विधानसभा चुनाव हार कर अपनी सरकार गवां चुकी हैं। उसके बाद हुए लोकसभा चुनाव व नगर निगम, पंचायत चुनाव में हार का सामना करते हुए अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये इसलिए दीपक बैज का अध्यक्ष पद से हटना तय हैं। दुसरी ओर प्रदेश अध्यक्ष के लिए पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव का नाम भी चर्चा में हैं। इस बारे में टीएस सिंहदेव से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान उन्हें जिम्मेदारी देती है तो वह जिम्मेदारी उठाने को तैयार है। हमेशा पार्टी के आदेशो का पालन करते आये है आगे भी पार्टी के आदेशो का पालन करेंगे।

पुर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश में अपने वर्चस्व को कायम रखने के लिए नहीं चाहेंगे कि सिंहदेव प्रदेश अध्यक्ष की कमान सम्भाले दूसरी ओर मुख्यमंत्री पद के दावेदार भूपेश बघेल व सिंहदेव की रस्साकशी के बीच में डॉक्टर चरणदास महंत भी प्रमुख दावेदार रहे हैं, जो वर्तमान में प्रतिपक्ष के नेता की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। डॉक्टर चरणदास महंत, सिंहदेव को अध्यक्ष बनाने में समर्थन दे कर भूपेश बघेल व सिंहदेव को आपस में उलझाकर अपने लिए संभावनाएं तलाश रहे हैं। भूपेश बघेल भी राजनीती के चतुर खिलाड़ी बन कर अपनी राजनीती कर रहे हैं वे चाहेंगे की उनका बेहद करीबी ही प्रदेश कांग्रेस की कमान सम्भाले। भूपेश बघेल के करीबी सूत्रो के अनुसार वे अचानक नया नाम प्रदेश अध्यक्ष के लिए आगे कर सकते है इसके लिए वे लोकप्रिय, चर्चित व कर्मठ भिलाई के युवा विधायक देवेन्द्र यादव का नाम आगे कर सभी को चौकानें का काम कर सकते हैं इसके लिए उन्होंने अपनी राजनीतिक चाले चलना प्रारंभ कर दी हैं। देवेन्द्र यादव ने भिलाई के युवा माहापौर रहने के अलावा भिलाई विधानसभा से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे को दो बार हराकर विजय हासिल कर पार्टी में अपना लोहा मनवा चुके हैं इसके पूर्व भी वे छात्र राजनिती में एनएसयूआई के लिए अध्यक्ष व उसके बाद प्रदेश अध्यक्ष से लेकर अखिल भारती महासचिव पद की जिम्मेदारी बखूबी निभा चूके हैं। संगठन के काम काज का उन्हें अच्छा खासा अनुभव हैं। वर्तमान मे श्री यादव खड़के जी के साथ अखिल भारती कांग्रेस के सचिव हैं। देवेन्द्र यादव का भूपेश बघेल से बहुत ही करीबी रिश्ता है, वही अखिल भारतीय महासचिव राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट से करीबी संबंध हैं कांग्रेसे की नेता सोनिया गांधी पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जून खड़के व प्रियंका गांधी से अच्छे संबंध हैं। राहुल गांधी की देश व्यापी पद यात्रा के दौरान यात्रा के प्रभारी बनाये गये थे। राहुल गांधी की इस सफल यात्रा में श्री गांधी के साथ रह कर उनके सहयोगी रहे हैं। इस लिए इन सब के चलते उनके नाम पर सहमती होने के आसार हैं इसलिए संगठन के धनी युवा विधायक देवेन्द्र यादव अगले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हो सकते हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26